RNI. NO. RAJHIN/2021/82156
डाक पंजीयन संख्या: RJ/ALW/866/2023

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा

जज्बा सच दिखाने का

वर्ष -06 | अंक -48 | मूल्य: 2.00 रू. | अलवर, शुक्रवार 01 मई 2026 | प्रभात संस्करण | कुल पेज- 8

WWW.Voiceofpratigya.com | Twitter.com/Voiceofpratigya | facebook.com/Voiceofpratigya | YouTube.com/Voiceofpratigya | Instagram- Instagram.com/Voiceofpratigya | 9414508610 | pratigya.alwar@gmail.com

सरिस्का में 'रास्ता कांड': जंगल कटा, रिकॉर्ड में वन भूमि, बयान में इनकार-सरिस्का में बड़ा खेल

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

सरिस्का टाइगर रिजर्व की टहला रेंज इन दिनों किसी वन्यजीव संरक्षण क्षेत्र से ज्यादा 'जिम्मेदारी बचाओ अभियान' का केंद्र बनती नजर आ रही है। यहां वन भूमि पर अवैध रास्ता निकालने का मामला अब ऐसा मोड़ ले चुका है, जहां पेड़ों से ज्यादा बयान काटे जा रहे हैं और सच से ज्यादा सफाई उग रही है।

टाइगर रिजर्व जैसे संवेदनशील क्षेत्र में, जहां एक सूखी टहनी भी हिल जाए तो नियमों की किताब खुल जाती है, वहां बाकायदा रास्ता बना दिया गया। पेड़ों की कटाई हुई, वन भूमि से छेड़छाड़ हुई, लेकिन जिम्मेदारों की नजर शायद उस दिन छुट्टी पर थी।

अपनी ही जमीन से अनजान वन अमला

सबसे दिलचस्प और शायद सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि जहां से रास्ता निकाला गया, वह जमीन राजस्व रिकॉर्ड में साफ तौर पर महकमा वन विभाग के नाम दर्ज है। लेकिन क्षेत्र में तैनात टहला सदर नाका प्रभारी सौरभ बैरवा का कहना है– 'ये खसरे हमारे वन विभाग की भूमि ही नहीं हैं। '

अब सवाल यह है कि अगर वन विभाग को अपनी ही जमीन की पहचान नहीं, तो फिर जंगल की रखवाली आखिर किस भरोसे हो रही है? क्या यह सिर्फ जानकारी का अभाव है, या जिम्मेदारी से बचने की एक बेहद सुविधाजनक कला? क्योंकि सरकारी तंत्र में अक्सर भूलने की बीमारी वहीं शुरू होती है, जहां जवाबदेही तय होने लगती है।

रिकॉर्ड कुछ और, बयान कुछ और

राजस्व विभाग के अधिकारी ने स्पष्ट रूप से पुष्टि की है कि खसरा नंबर 7 (गांव नैडोली), खसरा नंबर 4 (गांव टहला) और खसरा नंबर 6–तीनों ही महकमा वन विभाग के नाम दर्ज हैं।

यानी कागज साफ कह रहा है– 'जमीन वन विभाग की है। '

लेकिन फील्ड में तैनात जिम्मेदार अधिकारी कह रहे हैं– 'हमें तो पता ही नहीं। '

ऐसे में जनता यही पूछ रही है–क्या जंगल की निगरानी नक्शे देखकर होती है या अंदाजे से? और अगर खसरे तक याद नहीं, तो फिर अवैध कब्जों और कटाई पर कार्रवाई कैसे होती होगी?

जंगल में रास्ता खुद नहीं बनता

जंगल में सड़कें आसमान से नहीं उतरतीं। पेड़ खुद हटकर रास्ता नहीं देते। इसके लिए मशीन चलती है, लोग आते हैं, योजना बनती है और सबसे जरूरी–कहीं न कहीं मौन स्वीकृति मिलती है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रास्ता बनाने के लिए बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई की गई। टाइगर रिजर्व क्षेत्र में बिना अनुमति एक पेड़ काटना भी अपराध माना जाता है, लेकिन यहां तो पूरा रास्ता बन गया।

फिर भी अगर विभाग कहे कि 'हमें जानकारी नहीं थी ', तो यह जानकारी से ज्यादा संवेदनशीलता की मौत लगती है।

कानून किताबों में, जंगल ठेके पर

इस पूरे मामले में भारतीय वन अधिनियम 1927, वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972, वन संरक्षण अधिनियम 1980 और राजस्थान वन अधिनियम 1953 जैसे कई कानूनों की खुली अनदेखी दिखाई दे रही है।

लेकिन लगता है कि ये कानून अब सिर्फ प्रशिक्षण शिविरों और दीवारों पर लिखे नारों तक सीमित रह गए हैं। जमीन पर इनकी उपयोगिता उतनी ही बची है, जितनी बरसात में सरकारी वादों की।

यदि टाइगर रिजर्व क्षेत्र में भी नियमों की ऐसी दुर्गति हो रही है, तो सामान्य वन क्षेत्रों की स्थिति का अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं।

मामला ऊपर तक जाने की चर्चा

सूत्रों का दावा है कि इस अवैध रास्ते को निकलवाने में वन विभाग के ही एक बड़े अधिकारी की भूमिका सामने आ रही है। यदि यह सच है, तो मामला केवल लापरवाही का नहीं, बल्कि सीधी मिलीभगत का बन जाता है। यानी चौकीदार ही दरवाजा खोल दे, तो फिर चोर को दोष देना औपचारिकता भर रह जाती है।

यह वही व्यवस्था है जहां नीचे वाला कहता है– 'आदेश ऊपर से था ', और ऊपर वाला कहता है– 'हमें जानकारी नहीं थी।' बीच में जंगल चुपचाप कटता रहता है।

रास्ता नहीं, जंगल पर हमला

यह केवल एक रास्ते का मामला नहीं है। यह वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास, पर्यावरणीय संतुलन और संरक्षण व्यवस्था पर सीधा हमला है।

पेड़ों की कटाई सिर्फ लकड़ी का नुकसान नहीं, बल्कि पूरे पारिस्थितिक तंत्र की चोट है। बाघ, तेंदुए, हिरण और अन्य वन्यजीवों के मूवमेंट पर इसका सीधा असर पड़ता है।

लेकिन अफसोस, फाइलों में जंगल सिर्फ खसरा नंबर है–जमीन पर उसकी सांसों की कीमत कम ही समझी जाती है।

अब जवाबदेही तय हो

जनता और पर्यावरण प्रेमियों की मांग है कि इस पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच हो, जिम्मेदार अधिकारियों और दोषियों पर एफआईआर दर्ज की जाए, पर्यावरणीय नुकसान का आकलन कर क्षतिपूर्ति तय हो और टाइगर रिजर्व क्षेत्र में निगरानी व्यवस्था मजबूत की जाए।

क्योंकि अगर सरिस्का जैसे संरक्षित क्षेत्र में भी जंगल यूं ही 'रास्ता' बनकर गायब होते रहे, तो आने वाली पीढ़ियां बाघों को किताबों में और जंगलों को भाषणों में ही देखेंगी।

फिलहाल सरिस्का में पेड़ों से ज्यादा बयान गिर रहे हैं–और सबसे बड़ा सवाल अब भी खड़ा है–जंगल किसके भरोसे है?

संकरी गलियों में फंसी दमकल, पाइप से बुझाई कमरे में लगी आग

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

शहर के मन्नी का बड़ मुख्य बाजार स्थित जत्ती की बगीची में गुरुवार दोपहर एक मकान के कमरे में अचानक आग लग गई। समय रहते दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पा लिया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। फायर ऑफिसर जगदीप सिंह ने बताया कि दोपहर करीब 3 बजे जत्ती की बगीची स्थित एक मकान के कमरे से धुआं निकलता दिखाई दिया। मकान मालिक कैलाश चंद को इसकी जानकारी मिली, जिसके बाद पुलिस कंट्रोल रूम के माध्यम से सूचना दमकल विभाग तक पहुंचाई गई। बताया गया कि मकान में फिलहाल कोई रह नहीं रहा था और कमरों में पुराना सामान रखा हुआ था। एक कमरे में आग लग गई थी, जबकि पास के दूसरे कमरे में एक युवक आराम कर रहा था। धुआं देखकर उसने कमरे का गेट खोला, जिससे आग और तेज हो गई। सूचना मिलते ही दमकल वाहन मौके पर पहुंचे और करीब 20 मिनट की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। क्षेत्र घनी आबादी वाला होने और गलियां संकरी होने के कारण दमकल वाहन को चर्च रोड पर ही खड़ा करना पड़ा। वहां से पाइप के जरिए पानी पहुंचाकर आग बुझाई गई। दमकलकर्मियों के अनुसार कमरे में पुराने गत्ते और अन्य कबाड़ का सामान रखा था, जो जल गया। राहत की बात यह रही कि आग अन्य कमरों तक नहीं पहुंची और समय रहते स्थिति नियंत्रित कर ली गई।

अवैध प्लाटिंग पर बीडा की कार्रवाई, कर्मपुर में रुकवाया काम

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भिवाड़ी

बीडा ने टपूकड़ा क्षेत्र के कर्मपुर गांव में अवैध प्लाटिंग के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए बुधवार को निर्माण कार्य रुकवा दिया। टीम ने मौके पर पहुंचकर कृषि भूमि पर बिना लेआउट प्लान स्वीकृति के की जा रही प्लाटिंग को चिन्हित किया और संबंधित गतिविधियों को तत्काल बंद कराया। जानकारी के अनुसार खसरा नंबर 217/56, 60 और 62 में करीब 5 बीघा भूमि पर अवैध रूप से प्लाटिंग का कार्य चल रहा था। जांच में सामने आया कि भूमि का उपयोग कृषि प्रयोजन के लिए दर्ज है, लेकिन बिना सक्षम स्वीकृति के उसे आवासीय प्लॉट के रूप में विकसित किया जा रहा था। तहसीलदार सुरेंद्र सिंह ने बताया कि अनीश कुमार सैनी, मधु सैनी और अन्य लोगों द्वारा बिना अनुमति प्लाटिंग की जा रही थी। नियमानुसार लेआउट प्लान स्वीकृत कराए बिना इस प्रकार की गतिविधि पूरी तरह अवैध है। शिकायत मिलने के बाद बीडा की टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि भविष्य में भी अवैध कॉलोनियों और अनधिकृत प्लाटिंग के खिलाफ अभियान जारी रहेगा। बिना स्वीकृति के जमीन की खरीद-फरोख्त करने वालों पर भी नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई के दौरान सहायक अतिक्रमण अधिकारी दीपक चौधरी और जेईएन शंकर सिंह नरूका भी मौजूद रहे। प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि किसी भी भूमि या प्लॉट की खरीद से पहले उसकी वैधता और स्वीकृति की पूरी जांच अवश्य कर लें, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

सचिन पायलट पर टिप्पणी पर कांग्रेस का विरोध, पुतला दहन कर जताया आक्रोश

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बहरोड़

कस्बे के नारनौल रोड बाईपास पर गुरुवार सुबह कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रभारी राधा मोहन अग्रवाल द्वारा कांग्रेस नेता सचिन पायलट पर की गई टिप्पणी के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने प्रदेश प्रभारी का पुतला दहन कर अपना आक्रोश व्यक्त किया। प्रदेश महासचिव डॉ. आरसी यादव ने इस बयान को अपमानजनक और अस्वीकार्य बताते हुए कहा कि इस प्रकार की बयानबाजी लोकतांत्रिक मर्यादाओं के विरुद्ध है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक मतभेद अपनी जगह हैं, लेकिन किसी नेता के प्रति व्यक्तिगत टिप्पणी करना उचित नहीं है। इस तरह की भाषा से कार्यकर्ताओं की भावनाएं आहत होती हैं। उन्होंने राधा मोहन अग्रवाल से अपने शब्द वापस लेने और सार्वजनिक रूप से क्षमा मांगने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि ऐसा नहीं किया गया तो कांग्रेस पार्टी बड़े स्तर पर आंदोलन करेगी और विरोध को और तेज किया जाएगा। प्रदर्शन के दौरान जिला महासचिव शीशराम यादव, कुलदीप यादव, रविकांत मेहरा, रोशन खरकड़ा, भागीरथ खरकड़ा, अजमल, सुरेश गुर्जर, प्रकाश रावत, रमेश सुरेड़िया, शत्रुघ्न चौधरी, अर्जुन चौधरी, अशोक यादव, अनिल यादव, रमेश यादव, उमेश यादव, देशराज यादव, राकेश, मुकेश, विजय, अंकित, अखिल, योगेश सांतोरिया, नरेश, मोनू, विवेक, योगेश यादव, लालचंद और त्रिवेणी जांगिड़ सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

राजस्थान शिक्षक संघ अंबेडकर की कार्यकारिणी गठित, पवन कुमार बने ब्लॉक अध्यक्ष

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बहरोड़

राजस्थान शिक्षक संघ अंबेडकर के ब्लॉक अध्यक्ष पद का निर्वाचन निर्विरोध संपन्न हुआ, जिसमें सर्वसम्मति से पवन कुमार, उप प्राचार्य को ब्लॉक अध्यक्ष चुना गया। चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। चुनाव प्रक्रिया का संचालन दिनेश कुमार मेहरा के निर्देशन में किया गया, जबकि चुनाव अधिकारी कालूराम सिरोहीवाल, प्रधानाचार्य के नेतृत्व में पूरी प्रक्रिया पूरी कराई गई। निर्वाचन के बाद नवनिर्वाचित ब्लॉक अध्यक्ष पवन कुमार का माला पहनाकर और साफा बांधकर स्वागत किया गया। उपस्थित शिक्षकों ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए संगठन को मजबूत बनाने की आशा जताई। इस अवसर पर ब्लॉक कार्यकारिणी का भी गठन किया गया। कार्यकारिणी में रीना कुमारी को ब्लॉक अध्यक्ष, वैजयंती, व्याख्याता को कोषाध्यक्ष तथा सुंदरलाल, व्याख्याता को महामंत्री पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। सभी पदाधिकारियों ने संगठन हित में कार्य करने और शिक्षकों की समस्याओं के समाधान के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का भरोसा दिलाया। कार्यक्रम में कंवरपाल, जगदीश प्रसाद, रामकिशन गोठवाल, अनिल कुमार, प्राचार्य संदीप कुमार, प्रोफेसर पुरन चंद, बाबूलाल, सुनील चौहान सहित बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे। सभी ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए संगठन की मजबूती और शिक्षकों के हितों की रक्षा के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया।

अलवर को मिली प्रदेश की पहली पार्क लाइब्रेरी 'विद्या कुंज' की सौगातः अलवर दर्शन पार्क और कुश्ती हॉल का भी हुआ लोकार्पण

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

अलवर शहर को गुरुवार को प्रदेश की पहली हाईटेक पार्क लाइब्रेरी 'विद्या कुंज' के रूप में नई सौगात मिली। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव और वन राज्यमंत्री संजय शर्मा ने डी-ब्लॉक बुध विहार में स्थापित इस लाइब्रेरी के साथ सूर्य नगर में अलवर दर्शन पार्क तथा इंदिरा गांधी स्टेडियम में कुश्ती हॉल का शुभारम्भ कर आमजन को समर्पित किया। केंद्रीय वन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने कहा कि डबल इंजन की सरकार में विकास की रफ्तार दुगुनी हुई है और जनभागीदारी से अलवर चहुंमुखी विकास की ओर तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की पहली पार्क लाइब्रेरी के रूप में 'विद्या कुंज' अलवर के लिए गौरव का विषय है। यह लाइब्रेरी मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को मजबूत करेगी तथा पुस्तक दान का अभियान समाज को जोड़ने वाला सराहनीय कदम है। उन्होंने बताया कि अलवर संसदीय क्षेत्र में युवाओं और सभी वर्गों को आधुनिक डिजिटल शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 133 ई-गुरूकुल (ई-लाइब्रेरी) तैयार की गई हैं, जिनका शीघ्र लोकार्पण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि स्वच्छता, पर्यटन और शिक्षा के क्षेत्र में अलवर लगातार नए आयाम स्थापित कर रहा है। सरिस्का में वर्ष 2022-23 में 51 हजार पर्यटकों की तुलना में वर्ष 2025-26 में 90 हजार से अधिक पर्यटक पहुंचे हैं, जिससे आय 62 लाख से बढ़कर 1 करोड़ 28 लाख रुपए हो गई है। कुश्ती हॉल के उद्घाटन अवसर पर भूपेन्द्र यादव ने 10 बालक और 10 बालिका श्रेष्ठ खिलाड़ियों को तीन वर्ष तक छात्रवृत्ति देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य खिलाड़ियों को आर्थिक संबल देकर खेल पर पूरा ध्यान केंद्रित करने का अवसर देना है। साथ ही स्टेडियम के समग्र विकास की विस्तृत योजना तैयार करने के निर्देश भी दिए। वन राज्यमंत्री संजय शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व और केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में अलवर तेजी से विकास कर रहा है। उन्होंने बताया कि पेयजल, ई-लाइब्रेरी, सांसद खेल उत्सव और स्वच्छता जैसे चार प्रमुख विषयों पर लगातार कार्य हो रहा है। शहर में नाले, नालियां और सीवरेज के लिए 50 करोड़ रुपए स्वीकृत हुए हैं तथा पेयजल व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए 189 बोरिंग चालू कराई गई हैं। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने बताया कि 'विद्या कुंज' का पूरा ढांचा कांच से निर्मित है, जिससे पाठकों को प्रकृति के बीच अध्ययन का अनुभव मिलेगा। वर्षा जल संरक्षण के लिए इसकी छत से जल रिचार्ज व्यवस्था भी की गई है। लाइब्रेरी में 5 हजार से अधिक पुस्तकें उपलब्ध हैं, जिनमें स्थानीय लेखकों, पद्मश्री विजेताओं, बुकर पुरस्कार विजेताओं तथा दुर्लभ उर्दू भगवद्गीता जैसी पुस्तकें भी शामिल हैं। यूआईटी सचिव स्नेहल धाईगुडे नाना ने बताया कि 'विद्या कुंज' ई-लाइब्रेरी 45 लाख रुपए की लागत से तथा अलवर दर्शन पार्क 84 लाख रुपए की लागत से विकसित किया गया है। वहीं इंदिरा गांधी स्टेडियम में 65 लाख रुपए की लागत से आधुनिक कुश्ती हॉल का निर्माण कराया गया है। समारोह में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और बड़ी संख्या में आमजन की उपस्थिति रही।

मौसमी बीमारियों को देखते हुए उपनिदेशक ने किया निरीक्षण, दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा राजगढ़

गर्मी के मौसम और बढ़ती मौसमी बीमारियों को देखते हुए ग्रामीण स्वास्थ्य निदेशालय के उपनिदेशक डॉ. सुधीर मिश्रा ने राजगढ़ पहुंचकर राजकीय स्वास्थ्य केंद्र महिला एवं पुरुष का निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और प्रभारी डॉ. रमेश मीणा को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने भर्ती मरीजों से बातचीत कर अस्पताल में मिल रही सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि गर्मी बढ़ने के साथ मौसमी बीमारियां भी बढ़ेंगी, इसलिए विभाग ने उच्च स्तर पर तैयारियां कर ली हैं। राजगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र 75 बेड का पुराना अस्पताल है, लेकिन यहां ओपीडी काफी अधिक है। भविष्य में अस्पताल के क्रमोन्नयन के साथ और सुविधाएं बढ़ाई जाएंगी। उन्होंने बंद पड़े पंखों को तुरंत ठीक करवाने, अतिरिक्त बेड लगाने और मरीजों को दवाइयां बाहर से नहीं खरीदनी पड़ें, इसके लिए पर्याप्त दवा उपलब्ध रखने के निर्देश दिए। इस दौरान अस्पताल के सभी कार्मिक मौजूद रहे।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर दर्दनाक हादसाः कार में आग लगने से 6 लोगों की मौत, वैष्णो देवी से लौट रहा था परिवार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर अलवर जिले के मौजपुर स्थित एसएसबी ट्रेनिंग सेंटर के पास बुधवार देर रात एक दर्दनाक हादसे में कार में आग लगने से छह लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई। मृतकों में एक ही परिवार के पांच सदस्य शामिल हैं, जबकि गंभीर रूप से झुलसे कार चालक ने गुरुवार दोपहर जयपुर के एसएमएस अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। जानकारी के अनुसार मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले के चैनपुरा गांव निवासी परिवार वैष्णो देवी के दर्शन कर किराए की टैक्सी से अपने गांव लौट रहा था। देर रात करीब 11 बजे दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर मौजपुर के पास अचानक चलती कार में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और कार में सवार लोग बाहर नहीं निकल सके। घटना की सूचना मिलते ही लक्ष्मणगढ़ थाना पुलिस, दमकल विभाग और एसएसबी ट्रेनिंग सेंटर के जवान मौके पर पहुंचे। एसएसबी के जवानों ने आग बुझाने और लोगों को बचाने का प्रयास किया, लेकिन आग इतनी तेज थी कि कार पूरी तरह चपेट में आ गई। चालक विनोद मेहर ने कार का शीशा तोड़कर बाहर निकलने की कोशिश की और गंभीर हालत में उसे जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से जयपुर रेफर किया गया। गुरुवार दोपहर उसने भी दम तोड़ दिया। इस हादसे में दो महिलाएं, दो बच्चियां और एक पुरुष की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी और डीएसपी कैलाश जिंदल भी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। प्रारंभिक जांच में कार की सीएनजी किट में गैस रिसाव के कारण आग लगने की आशंका जताई गई है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मृतकों की पहचान सुनिश्चित करने के लिए डीएनए सैंपल लिए जाएंगे और पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। परिजनों को सूचना दे दी गई है, जो गुरुवार शाम तक अलवर पहुंच गए। दमकल विभाग ने करीब 15 मिनट की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। मेडिकल टीम ने जली हालत में शवों को बाहर निकाला। इस हृदयविदारक हादसे ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया।

बजट घोषणाओं को समयबद्ध धरातल पर उतारने के निर्देश, गर्मी में बिजली-पानी व्यवस्था रहे दुरुस्त

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

संभागीय आयुक्त वी. सरवण कुमार ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में बजट घोषणाओं, विकास कार्यों के क्रियान्वयन, राजस्व अर्जन तथा बिजली व पेयजल व्यवस्था की समीक्षा बैठक लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की बजट घोषणाओं को समयबद्ध तरीके से धरातल पर उतारना सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को शीघ्र लाभ मिल सके। बैठक में जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला मौजूद रहीं। संभागीय आयुक्त ने प्याज एवं सब्जी के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, बायोलॉजिकल पार्क, 200 करोड़ की लागत से नवीन दुग्ध संयंत्र, नाइट टूरिज्म, नवीन बस स्टैंड, साइंस सेंटर, बालिका सैनिक स्कूल, विभिन्न जीएसएस निर्माण, सड़क निर्माण, सिलीसेढ़ पेयजल परियोजना, नटनी का बारा से जयसमंद कैनाल, केंद्रीय कारागृह, जिला अस्पताल में बेड क्षमता वृद्धि, नमो वन, नर्सरी स्थापना और हनुमान वाटिका जैसी महत्वपूर्ण घोषणाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने भूमि आवंटन सहित सभी आवश्यक प्रक्रियाएं निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने राजस्व अर्जन करने वाले विभागों को लक्ष्य के अनुसार राजस्व संग्रह बढ़ाने के निर्देश भी दिए। ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए निर्बाध विद्युत आपूर्ति और सुचारू पेयजल व्यवस्था बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया। जलदाय विभाग से टैंकरों द्वारा पेयजल आपूर्ति, समर कंटीजेंसी प्लान और कंट्रोल रूम पर प्राप्त शिकायतों के त्वरित समाधान की जानकारी ली गई। चिकित्सा विभाग को हीटवेव और लू-तापघात से प्रभावित मरीजों के समुचित उपचार और बचाव के लिए पूरी तैयारी रखने के निर्देश दिए गए। बैठक में जिला कलक्टर ने पार्क लाइब्रेरी विद्या कुंज, अलवर दर्शन पार्क, वेस्ट टू वेल्थ आर्ट कलाकृतियां, सीएनडी व एसटीपी प्लांट तथा वेस्ट टू वेल्थ पार्क जैसे नवाचारों की जानकारी दी। साथ ही स्वच्छ वायु सर्वेक्षण, जल संचय-जन भागीदारी अभियान, राजस्थान एनर्जी कंजर्वेशन अवॉर्ड सहित कई उपलब्धियों से अवगत कराया। संभागीय आयुक्त ने जिले के नवाचारों और उपलब्धियों की सराहना करते हुए जनहित कार्यों को प्राथमिकता से आगे बढ़ाने पर जोर दिया।

RNI. NO. RAJHIN/2021/82156 | डाक पंजीयन संख्याः RJ/ALW/866/2023

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा

जज्बा सच दिखाने का

वर्ष -06 | अंक -48 | मूल्य: 2.00 रू. | अलवर, शुक्रवार 01 मई 2026 | प्रभात संस्करण | कुल पेज- 8

WWW.Voiceofpratigya.com | Twitter.com/Voiceofpratigya | facebook.com/Voiceofpratigya | YouTube.com/Voiceofpratigya | Instagram- Instagram.com/Voiceofpratigya | 9414508610 | pratigya.alwar@gmail.com

चुनाव आयोग पर जमकर बरसीं ममता बनर्जी

ये बिहार-महाराष्ट्र नहीं, ईवीएम में हेरफेर नहीं होने देंगे: ममता बनर्जी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोलकाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी गुरुवार की देर रात कोलकाता के शेखावत मेमोरियल स्कूल स्थित स्ट्रांग रूम से बाहर निकलीं। ममता बनर्जी ने मतगणना प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ की कोशिश के खिलाफ चेतावनी दी। उन्होंने मतगणना में संभावित कदाचार का आरोप लगाया। इसके बाद ममता बनर्जी ने कहा, 'अगर ईवीएम लूटने की कोशिश हुई और मतगणना में हेरफेर की कोशिश हुई तो हम जान की बाजी लाकर लड़ेंगे। अगर गड़बड़ी हुई तो हम लड़ेंगे।' तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की प्रमुख ने कहा, ''मैं यहां इसलिए आई हूं, क्योंकि यहां ईवीएम के लिए एक स्ट्रांग रूम है। हमें कई जगहों पर गड़बड़ी मिली है, इसलिए जब मैंने इसे टीवी पर देखा, तो मैंने सोचा कि मुझे यहां आना चाहिए। मैं आई, लेकिन केंद्रीय बलों ने मुझे रोक दिया। मैंने कहा कि मुझे जाने का अधिकार है, चुनाव नियमों के अनुसार, उम्मीदवारों को सीलबंद कमरे के बाहर तक जाने की अनुमति है। तब मुझे जाने दिया गया।''

वायरल वीडियो पर भी चुनाव आयोग ने दी प्रतिक्रिया

सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहे एक वीडियो का हवाला देते हुए चुनाव आयोग के अधिकारियों ने बताया कि खुदीराम अनुशीलन केंद्र के अंदर स्थित सात विधानसभा क्षेत्रों के स्ट्रांग रूम को कल मतदान संपन्न होने के बाद उम्मीदवारों/चुनाव एजेंटों और सामान्य पर्यवेक्षक की उपस्थिति में विधिवत रूप से बंद और सील कर दिया गया था। अंतिम स्ट्रांग रूम को आज सुबह लगभग 5:15 बजे बंद किया गया था। पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल ने कहा, 'कोई भी सीसीटीवी बंद नहीं किया गया था। वहां मौजूद सभी आठ स्ट्रांग रूम (सात ईवीएम और एक पोस्टल बैलेट) की सीसीटीवी फुटेज प्रसारित की जा रही है। राजनीतिक दलों के लोग तीन स्तरीय सुरक्षा के पार बैठकर इसे देख सकते हैं। उन्होंने शाम करीब 4 बजे कुछ हलचल देखी जब हमारे कर्मचारी नियमों के अनुसार पोस्टल बैलेट रूम खोल रहे थे। '

ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग को दी धमकी

ममता बनर्जी ने भवानीपुर स्ट्रांग रूम के बाहर मीडिया से बातचीत में कई गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा, ''हमारे एजेंट्स का उत्पीड़न किया गया। हमारे कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट की गई और उनके साथ खराब व्यवहार किया गया।'' उन्होंने चुनाव आयोग की धमकी देते हुए कहा कि मतगणना करने के लिए ये लोग गुजरात से आए हैं, ये हमारा इलाका है। हम एक इशारे पर 10 हजार लोग यहां खड़ा कर सकते हैं। पश्चिम बंगाल में मतगणना से पहले ईवीएम और मतपत्रों को लेकर उठे विवाद के बीच चुनाव आयोग के अधिकारियों ने टीएमसी की ओर से लगाए गए 'बिना किसी संबंधित पार्टी एजेंट्स की मौजूदगी के मतपेटियां खोलने' के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि मुख्य स्ट्रांग रूम पूरी तरह से सुरक्षित और बंद हैं, जबकि मतपत्रों का विभाजन स्ट्रांग रूम के गलियारे में किया जा रहा है। भारत निर्वाचन आयोग पर खुलकर पक्षपात का आरोप लगाते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि उनकी पार्टी के एजेंट को गिरफ्तार कर लिया गया है और बहुत ज्यादा एकतरफापन दिखाया जा रहा है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि, यह बिहार और महाराष्ट्र नहीं हैं, अगर कोई ईवीएम मशीन चुराने की कोशिश करता है या मतगणना में धांधली करने की कोशिश करता है, तो हम जीवन और मृत्यु के बीच संघर्ष करेंगे। हम जान की बाजी लगाकर इसका मुकाबला करेंगे।

चुनाव आयोग ने बताई वीडियो की सच्चाई

उन्होंने कहा, 'नियम के अनुसार, सभी राजनीतिक दलों और सभी उम्मीदवारों को रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ) द्वारा सूचित किया गया था। उन्हें यहां आना चाहिए था। शाम चार बजे के बाद, तीन उम्मीदवार आए और उन्होंने देखा कि ईवीएम के स्ट्रांग रूम सील थे, जबकि पोस्टल बैलेट का स्ट्रांग रूम खुला था। इसके बाद वे तीनों चले गए। ' उन्होंने आगे कहा, 'कानून-व्यवस्था की कोई समस्या नहीं होगी। ऐसी चीजें होती रहती हैं। कानून-व्यवस्था की स्थिति ठीक है। मतगणना पूरी तरह से सुव्यवस्थित होगी, ठीक वैसे ही जैसे चुनाव हुए थे।' अग्रवाल ने जोर देकर कहा कि चुनाव निकाय के पास छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है और वे मतदान प्रक्रियाओं में किसी भी प्रकार की अव्यवस्था नहीं होने देंगे। '

पंजाब में लगेगा राष्ट्रपति शासन!: कई आप विधायक भाजपा में जाएंगे, कांग्रेस सांसद सुखजिंदर रंधावा का बड़ा दावा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा चंडीगढ़

गुरदासपुर से कांग्रेसी सांसद एवं पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा ने दावा किया है कि पंजाब सरकार संकट में है और आने वाले समय में सूबे में राष्ट्रपति शासन लगा सकता है। चंडीगढ़ में प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने कहा कि आप के कई विधायक भाजपा के संपर्क में हैं और पार्टी छोड़ने के लिए सही समय का इंतजार कर रहे हैं। रंधावा ने स्पष्ट किया कि पूर्व सीएम चरणजीत चन्नी और उनके समेत चार कांग्रेसी सांसदों के भी भाजपा में संपर्क होने की अफवाह फैलाई गई थी मगर मैं विश्वास से बताना चाहता हूं कि कांग्रेस का कोई भी मौजूद सांसद और विधायक पार्टी छोड़ने वाला नहीं है। आम आदमी पार्टी में उथल-पुथल की स्थिति जरूर चल रही है। रंधावा ने कहा कि मुझसे किसी ने संपर्क नहीं किया। आप के राज्यसभा सांसदों को गद्दार कहने पर रंधावा ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि गद्दारों ने गद्दारों के साथ ही गद्दारी की है क्योंकि आम आदमी पार्टी में भी बहुत से नेता ऐसे हैं जो पहले शिरोमणि अकाली दल और कांग्रेस में थे और आज वे आम आदमी पार्टी सरकार में मंत्री और अध्यक्ष के पद पर बैठे हैं। रंधावा ने कहा कि कांग्रेसियों को भाजपा में जाने की जरूरत नहीं है क्योंकि जो कांग्रेस के आला नेता पहले भाजपा में जा चुके हैं उनकी आज क्या स्थिति है वह सभी जानते हैं। रंधावा ने प्रदेश के डीजीपी गौरव यादव को भी चुनौती देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में पंजाब की कानून व्यवस्था बुरी तरह से चरमा चुकी है। नशा तस्करों, गैंगस्टरों के बाद अब फिर से उग्रवाद मुखर होने लगा है। रेल ट्रैकों पर धमाके इसका ताजा उदाहरण हैं। पंजाब सरकार को इस गंभीर स्थिति में पंजाब पुलिस के नेतृत्व पर संज्ञान लेना होगा। सभी दलों को एकजुट होकर कानून व्यवस्था मजबूत करने के लिए काम करना होगा। पंजाब सरकार के विधानसभा सत्र के संदर्भ में रंधावा ने कहा कि यह सत्र मजदूरों के हितों की बात करने की आड़ में अपना सियासी लाभ लेने की कवायद है।

देशभर में 88 बाघों की मौत पर जांच अधूरी, राज्यों ने नहीं भेजी रिपोर्ट; अब केसों को बंद करने की तैयारी में एनटीसीए

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

देशभर में बाघों की मौत को लेकर चल ही जांच के बारे में बड़ा खुलासा है। सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी से मांगी गई जानकारी से पता चला है कि 2020-21 में बाघों की 88 मौतों की जांच अब तक पेंडिंग या अंडर स्क्रूटिनी है। एनटीसीए अब इन केसों को बंद करने की तैयारी कर रहा है। एनटीसीए के जनवरी में लिखे गए एक लेटर में कहा गया था कि यदि संबंधित राज्य बाघों की मौत के मामलों में पोस्टमार्टम, फोरेंसिक और हिस्टोपैथोलॉजी रिपोर्ट और कलर तस्वीरें उपलब्ध कराने में विफल रहते हैं, तो जांच औपचारिक रूप से बंद कर दी जाएगी। आंकड़ों के मुताबिक, सबसे ज्यादा लंबित मामले मध्य प्रदेश में हैं, जहां पर 32 बाघों की जांच अभी लंबित है। ये मामले बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व, कान्हा टाइगर रिजर्व और पन्ना टाइगर रिजर्व जैसे प्रमुख इलाकों से जुड़े हैं। महाराष्ट्र में भी 20 मामले लंबित हैं, जिसमें कई रिजर्व के बाहर के हैं। वहीं छत्तीसगढ़ में भी चिंताजनक कमियां उजागर होती हैं, जिनमें बस्तर, भानुप्रतापपुर और कवर्धा में अनसुलझे मामले शामिल हैं। इसके अलावा देश के सबसे ज्यादा सुरक्षित माने जाने वाले रिजर्व में भी बाघों की मौत के मामले सामने आए हैं। असम के काजीरंगा नेशनल पार्क में 2020 से 8 बाघों की मौत अब तक अनसुलझी है। इसी तरह कर्नाटक के नागरहोल नेशनल पार्क, उत्तर प्रदेश के दुधवा टाइगर रिजर्व, अमानगढ़ और पीलीभीत, तथा उत्तराखंड के कॉर्बेट टाइगर रिजर्व में भी कई मामले बिना निष्कर्ष के हैं। कई मामलों को जब्ती के रूप में चिह्नित किया गया है, जिससे पता चलता है कि संदिग्ध शिकारियों से बाघ के अंग बरामद किए जाने के बावजूद, अभियोजन के लिए आवश्यक कानूनी और फोरेंसिक प्रक्रियाओं को वर्षों से नजरअंदाज किया गया है। NTCA ने जनवरी में राज्यों को पत्र लिखकर कहा कि अगर पोस्टमार्टम, फोरेंसिक रिपोर्ट और फोटो नहीं दिए गए तो मामलों को बंद कर दिया जाएगा।

गौतम बुद्ध के उपदेश और आज की दुनिया में उनकी प्रासंगिकता

सुनील कुमार महला

शास्त्रों के अनुसार वैशाख शुक्ल त्रयोदशी से लेकर पूर्णिमा तक की तिथियों को 'पुष्करणी तिथियाँ' कहा जाता है। मान्यता है कि एकादशी को अमृत प्रकट हुआ, द्वादशी को भगवान विष्णु ने उसकी रक्षा की, त्रयोदशी को देवताओं ने अमृत का पान किया, चतुर्दशी को दैत्यों का संहार हुआ और पूर्णिमा को देवताओं को उनका राज्य पुनः प्राप्त हुआ। इस दिन यमराज (धर्मराज) की कृपा प्राप्त करने के लिए व्रत रखने और दान करने का विशेष विधान है।

हर वर्ष वैशाख मास की पूर्णिमा तिथि पर बुद्ध पूर्णिमा का पर्व मनाया जाता है। मान्यता है कि इस दिन भगवान विष्णु के नौवें अवतार महात्मा बुद्ध का जन्म हुआ था। इस वर्ष बुद्ध पूर्णिमा 1 मई 2026, शुक्रवार को मनाई जाएगी। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार इस वर्ष पूर्णिमा तिथि 30 अप्रैल की रात 09 बजकर 12 मिनट से शुरू होकर 1 मई 2026 की रात 10 बजकर 52 मिनट तक प्रभावी रहेगी। उदया तिथि के अनुसार यह पर्व 1 मई को मनाया जाएगा। यह दिन भगवान बुद्ध के जन्म, ज्ञान प्राप्ति (बोधि) और महापरिनिर्वाण-तीनों की स्मृति को समर्पित है। इस अवसर पर देश-विदेश में श्रद्धालु ध्यान, प्रार्थना, दान और अहिंसा के संदेश का पालन करते हैं। विशेषकर बोधगया, सारनाथ और कुशीनगर जैसे पवित्र स्थलों पर बड़े आयोजन होते हैं। बुद्ध पूर्णिमा का पर्व हमें करुणा, शांति और मध्यम मार्ग के सिद्धांतों को अपनाने की प्रेरणा देता है, जिससे मानव जीवन में नैतिकता और सद्भाव का विकास होता है।पाठकों को बताता चलूं कि वैशाख पूर्णिमा को 'बुद्ध पूर्णिमा', 'पीपल पूर्णिमा' और 'बुद्ध जयंती' के नाम से भी जाना जाता है। ऊपर इस आलेख में चर्चा कर चुका हूं कि यह दिन भगवान विष्णु को भी समर्पित माना जाता है, क्योंकि पुराणों के अनुसार महात्मा बुद्ध को भगवान विष्णु का नौवां अवतार माना गया है। स्कन्द पुराण में वैशाख मास को समस्त मासों में श्रेष्ठ बताया गया है, इसलिए यह मास विष्णु भगवान को अत्यंत प्रिय है। इस दिन भगवान विष्णु के सत्यनारायण स्वरूप की पूजा की जाती है। पद्म पुराण और मत्स्य पुराण में वैशाख मास में स्नान और दान को श्रेष्ठ बताया गया है-वैशाखे मासि स्नानं च, दानं च विशेषतः। इस मास में पवित्र तीर्थों पर स्नान, दान-पुण्य और व्रत से मोक्ष की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त होता है।

शास्त्रों के अनुसार वैशाख शुक्ल त्रयोदशी से लेकर पूर्णिमा तक की तिथियों को 'पुष्करणी तिथियाँ' कहा जाता है। मान्यता है कि एकादशी को अमृत प्रकट हुआ, द्वादशी को भगवान विष्णु ने उसकी रक्षा की, त्रयोदशी को देवताओं ने अमृत का पान किया, चतुर्दशी को दैत्यों का संहार हुआ और पूर्णिमा को देवताओं को उनका राज्य पुनः प्राप्त हुआ। इस दिन यमराज (धर्मराज) की कृपा प्राप्त करने के लिए व्रत रखने और दान करने का विशेष विधान है। शक्कर, तिल, पंखे, जूते-चप्पल, घड़ा, दूध-खीर, अन्न-वस्त्र आदि का दान अत्यंत पुण्यकारी

माना जाता है। पूर्णिमा के दिन चंद्रदेव को अर्घ्य देना शुभ फलदायी होता है। साथ ही मां लक्ष्मी की पूजा से घर में सुख, समृद्धि और सौभाग्य बढ़ता है। उन्हें बताशा, खीर, मिठाई, नारियल और कमल का फूल अर्पित किया जाता है। इस दिन भगवान राम और हनुमान जी की पूजा भी की जाती है तथा हनुमान जी को सिंदूर चढ़ाया जाता है। पितरों के निमित्त पिंडदान करने से उन्हें मोक्ष की प्राप्ति होती है और परिवार में शांति एवं समृद्धि आती है। हाल फिलहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि भगवान गौतम बुद्ध को 'एशिया का प्रकाश' कहा जाता है। उनका जन्म 563 ईसा पूर्व नेपाल के कपिलवस्तु स्थित लुम्बिनी वन में वैशाख पूर्णिमा के दिन हुआ था। उनके पिता शुद्धोधन शाक्यवंश के राजा थे और माता महामाया थीं। उनका बचपन का नाम सिद्धार्थ था और उनका पालन-पोषण राजकुमार के रूप में हुआ। बाद में उन्होंने सांसारिक जीवन त्यागकर सत्य की खोज की।

आज के संदर्भ में देखा जाए तो उनका जन्म नेपाल में हुआ, लेकिन उनकी कर्मभूमि भारत रही। यहीं उन्हें बोधि प्राप्त हुई और यहीं से उन्होंने संपूर्ण विश्व को ज्ञान का संदेश दिया। आज जापान, उत्तर कोरिया, दक्षिण कोरिया, चीन, वियतनाम, ताइवान, तिब्बत, भूटान, कंबोडिया, हांगकांग, मंगोलिया, थाईलैंड, मकाऊ, म्यांमार, श्रीलंका जैसे अनेक देश बौद्ध संस्कृति से प्रभावित हैं। पाठक जानते हैं कि महात्मा बुद्ध ने जीवन में अहिंसा, करुणा, शांति, मैत्री और बंधुत्व का संदेश दिया। उनके अनुसार मनुष्य जैसा सोचता है, वैसा ही बन जाता है। शुद्ध विचारों से किया गया कर्म सुख देता है और अशुद्ध विचार दुख का कारण बनते हैं। उन्होंने कहा कि तीन चीजें कभी छुपाई नहीं जा सकतीं-सूर्य, चंद्रमा और सत्य। उनका यह भी संदेश था कि एक दीपक हजारों दीपक जला सकता है, फिर भी उसकी रोशनी कम नहीं होती, इसी प्रकार सद्गुण बांटने से कम नहीं होते। बुद्ध के अनुसार व्यक्ति को वर्तमान में जीना चाहिए, क्योंकि भूतकाल और भविष्य में खोकर दुख ही मिलता है। उन्होंने कहा कि बुराई से बुराई को नहीं जीता जा सकता, प्रेम से ही संसार जीता जा सकता है। जो व्यक्ति स्वयं पर विजय प्राप्त कर लेता है, वही वास्तविक विजेता है। क्रोध मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु है और क्रोध से स्वयं को ही नुकसान होता है। उनका यह भी कहना था कि केवल ज्ञान पढ़ना या सुनना पर्याप्त नहीं है, जब तक उसे जीवन में न अपनाया जाए उसका कोई लाभ नहीं। बुद्ध ने यह स्पष्ट किया कि उनके उपदेशों को बिना जांचे स्वीकार न किया जाए। उन्होंने कहा कि मनुष्य अपनी बुद्धि और अनुभव से सत्य को परखे। उनका धर्म तर्कसंगत, वैज्ञानिक सोच पर आधारित और अंधविश्वास विरोधी था। वे मानते थे कि संसार में अंतिम और अपरिवर्तनीय कुछ भी नहीं है, केवल परिवर्तन ही सत्य है।

बहरहाल, आज विश्व में कई क्षेत्रों में युद्ध और तनाव की स्थिति बनी हुई है। रूस-यूक्रेन युद्ध, इजराइल-हमास संघर्ष, चीन-ताइवान तनाव, भारत-चीन सीमा विवाद, उत्तर कोरिया-दक्षिण कोरिया तनाव और ईरान-इजराइल तनाव वैश्विक शांति के लिए गंभीर चुनौती हैं। ऐसे समय में बुद्ध के विचार और भी अधिक प्रासंगिक हो जाते हैं, क्योंकि उन्होंने युद्ध का पूर्ण विरोध किया और कहा कि हर युद्ध में केवल विनाश और पीड़ा होती है।

उन्होंने 'आष्टांगिक मार्ग' बताया-सम्यक दृष्टि, सम्यक संकल्प, सम्यक वाक, सम्यक कर्म, सम्यक आजीविका, सम्यक व्यायाम, सम्यक स्मृति और सम्यक समाधि। यही मार्ग मनुष्य को राग, द्वेष, मोह, लोभ, घृणा और भय से मुक्त करता है। इन्हीं विकारों से हिंसा, शोषण, अन्याय, आतंकवाद और युद्ध उत्पन्न होते हैं। आज की दुनिया में तनाव, अवसाद, आर्थिक असमानता और नैतिक गिरावट बढ़ रही है, ऐसे में बुद्ध का मार्ग समाधान प्रस्तुत करता है। इतना ही नहीं, उन्होंने पंचशील सिद्धांत भी दिए।मसलन -चोरी न करना, व्यभिचार न करना, झूठ न बोलना, नशा न करना आदि। साथ ही उन्होंने सामाजिक समानता, महिला सशक्तिकरण और नैतिक जीवन पर बल दिया।बुद्ध ने यह भी कहा कि घृणा को घृणा से नहीं जीता जा सकता, उसे केवल प्रेम से जीता जा सकता है। वास्तव में, क्रोध में हजारों शब्दों को गलत बोलने से अच्छा मौन वह एक शब्द है जो शांति लाता है। उनका यह संदेश आज भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना पहले था।

अंततः बुद्ध पूर्णिमा केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि शांति, करुणा, अहिंसा और मानवता का संदेश देने वाला पावन दिन है। यह हमें गौतम बुद्ध के जीवन से प्रेरणा लेकर संयम, सत्य, सद्भाव और विश्व शांति के मार्ग पर चलने की सीख देता है। आज के तनावपूर्ण वैश्विक समय में यह पर्व मानवता को एकता, प्रेम और सह-अस्तित्व की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रदान करता है।

(फ्रीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार)

संपादकीय

राहतकारी हो आईसीयू

अक्सर ऐसी खबरें सामने आती रहती हैं कि देश के किसी भाग में किसी निजी अस्पताल के आईसीयू में भर्ती मरीज के ठीक होने या ठीक होने की संभावना के बावजूद उसे डिस्चार्ज नहीं किया जाता है। वजह होती है कि अस्पताल का अनवरत गति से चलने वाला कमाई का मीटर। निस्संदेह, आधुनिक चिकित्सा खचीर्ली हो गई और बेहतर सुविधाओं के लिए बड़ी रकम चुकानी होती है। लेकिन इस व्यवस्था का मानवीय व संवेदनशील होना अपरिहार्य है। इसके नियमन का कार्य यूं तो देश के नीति-नियंताओं और शासन-प्रशासन को करना चाहिए था। लेकिन विडंबना यह है कि अदालत को ऐसे मामलों में पहल करनी पड़ती है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा एक समान गहन चिकित्सा ईकाई दिशानिदेशों की जरूरत बताना विसंगतियों से जूझती आईसीयू प्रणाली के लिए एक आशा की किरण लेकर आई है। इन दिशानिर्देशों में यह निर्दिष्ट किया गया है कि चिकित्सकीय रूप से स्थिर हो चुके या जिन मरीजों के अंगों को बाहरी सहायता अथवा शारीरिक निगरानी की आवश्यकता नहीं होती, उन्हें अस्पताल से छु ी दे दी जानी चाहिए। उन्हें अन्य सामान्य वार्डों में स्थानांतरित किया जा सकता है। नि त रूप से न्यायालय के ये निर्देश चिकित्सकीय और नैतिक दोनों ही हैं। जो बताते हैं कि जरूरी न होने के बावजूद मरीज को लंबे समय तक आईसीयू में रखना अनुचित है। यह एक हकीकत है कि मानकीकृत आईसीयू प्रोटोकॉल के अभाव में एक अस्पष्ट स्थिति पैदा हो जाती है, जिसकी वजह से मरीज से जुड़े निर्णय असमंजस का शिकार होकर रह जाते हैं। वास्तव में आईसीयू में भर्ती मरीजों के तिमारदारों को चिकित्सा प्रक्रिया की गहन जानकारी अक्सर नहीं होती है। वे केवल चिकित्सक के दिशा-निदेर्शों पर ही निर्भर होकर रह जाते हैं। यही वजह है कि अस्पताल प्रबंधन के रहमो-करम पर मरीज को महंगे आईसीयू में लंबे समय तक भर्ती रहने को मजबूर होना पड़ता है। कई बार ऐसा भी होता है कि गहन चिकित्सा कक्ष में भर्ती रहने के बावजूद मरीज को उपचारीय लाभ नहीं मिल रहा होता है। सही मायनों में सुप्रीम कोर्ट के ये दिशानिर्देश एक सरल व सामान्य सिद्धांत की पुष्टि करते हुए इस विसंगति को दूर करने का प्रयास करते हैं कि किसी भी अस्पताल का आईसीयू मरीज की अनि तकालीन देखभाल के लिए नहीं होता है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि शीर्ष अदालत ने समस्या के यथाशीघ्र समाधान की जरूरत पर बल दिया है। अदालत ने डॉक्टरों की प्रतिष्ठा को संरक्षित करते हुए चिकित्सा संस्थानों व अस्पतालों की जवाबदेही सुनि त करने पर बल दिया है। इस दिशा में व्यवस्थागत मुद्दों पर जोर दिया गया है, जिसमें नर्स व मरीज के अनुपात, विशेषज्ञ पर्यवेक्षण, मानक बुनियादी ढांचा और प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित कराना एक सराहनीय पहल कही जाएगी। नि त रूप से भारत जैसे देश में जहां स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता में भारी असमानता है, ये न्यूनतम मानदंड अधिक न्यायसंगत देखभाल के लिए आधार बन सकते हैं। सही मायनों में राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की पहचान करने और समयबद्ध कार्य योजना तैयार करनी चाहिए। साथ ही निर्देश नीति के क्रियान्वयन हेतु तत्परता दिखानी चाहिए। लेकिन विगत के अनुभव बताते हैं कि एक अच्छे इरादे वाली कार्ययोजना तब अपने लक्ष्य पाने में विफल हो जाती हैं जब उसका क्रियान्वयन आधे-अधूरे ढंग से किया जाता रहा है।

चिंतन-मनन

विनम्रता का पाठ

पंडित विद्याभूषण बहुत बड़े विद्वान थे। दूर-दूर तक उनकी चर्चा होती थी। उनके पड़ोस में एक अशिक्षित व्यक्ति रहते थे-रामसेवक। वे अत्यंत सज्जन थे और लोगों की खूब मदद किया करते थे। पंडित जी रामसेवक को ज्यादा महत्व नहीं देते थे और उनसे दूर ही रहते थे। एक दिन पंडित जी अपने घर के बाहर टहल रहे थे। तभी एक राहगीर उधर आया और मोहल्ले के एक दुकानदार से पूछने लगा-भाई यह बताओ कि पंडित विद्याभूषण जी का मकान कौन सा है। यह सुनकर पंडित जी की उत्सुकता बढ़ी। वह सोचने लगे कि आखिर यह कौन है जो उनके घर का पता पूछ रहा है। तभी दुकानदार ने उस राहगीर से कहा-मुझे तो किसी पंडित जी के बारे में नहीं मालूम। तब राहगीर ने कहा-क्या रामसेवक जी का घर जानते हो?

दुकानदार ने हंसकर कहा-अरे भाई उन्हें कौन नहीं जानता। वे बड़े भले आदमी हैं। फिर उसने हाथ दिखाकर कहा- वो रहा रामसेवक जी का घर। फिर दुकानदार ने राहगीर से सवाल किया-लेकिन आपको काम किससे है? पंडित जी से या रामसेवक जी से? राहगीर कहने लगा-भाई काम तो मुझे रामसेवक जी से है। पर उन्होंने ही बताया था कि उनका मकान पंडित विद्याभूषण जी के पास है। यह सुनकर पंडित जी ग्लानि से भर उठे। सोचने लगे कि उन्होंने हमेशा ही रामसेवक को अपने से हीन समझा और उसकी उपेक्षा की पर रामसेवक कितना विनम्र है। वह खुद बहुत प्रसिद्ध होते हुए भी उन्हें ज्यादा महत्व देता है। उसी रात पंडित जी रामसेवक के घर गए और उससे क्षमायाचना की। फिर दोनों गहरे मित्र बन गए।

4 मई के बाद बदल जाएगी देश की राजनीति

संतोष कुमार पाठक

देश के चार राज्यों- असम, पि म बंगाल, तमिलनाडु और केरल एवं एक केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में हुए विधानसभा चुनाव को लेकर तमाम एग्जिट पोल भी सामने आ चुके है। इस बार का विधानसभा चुनाव , इस मायने में बहुत खास है कि इसमें देश के दो प्रमुख राष्ट्रीय राजनीतिक दलों-कांग्रेस और बीजेपी के साथ ही तृणमूल कांग्रेस, डीएमके और एआईएडीएमके जैसे ताकतवर क्षेत्रीय दलों की प्रतिष्ठा भी दांव पर लगी है। सबसे बड़ा सवाल तो लेफ्ट फ्रंट के दलों के सामने खड़ा हो गया है क्योंकि केरल की सत्ता हाथ से जाते ही उनके सामने अस्तित्व का संकट खड़ा हो जाएगा। त्रिपुरा और पि म बंगाल में तो लेफ्ट पार्टियां पहले ही साफ हो चुकी है।

जाहिर है कि इन पांच राज्यों/केंद्र शासित प्रदेश के चुनावी नतीजें सिर्फ इन राज्यों के मुख्यमंत्री ही तय नहीं करेंगे बल्कि दोनों गठबंधन- एनडीए एवं इंडिया को भी प्रभावित करेंगे। यह भी एक तथ्य है कि चाहे, चुनावी नतीजे जो भी आए लेकिन इसके बाद देश के दो प्रमुख राजनीतिक दलों में तेजी से बड़े बदलाव दिखाई देने लगेंगे।

बीजेपी ने नितिन नवीन को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाकर कई महीने पहले ही बदलाव की शुरूआत कर दी थी लेकिन वह बदलाव अभी संगठन के ढांचे और सरकार तक नहीं पहुंच पाया है। बताया जा रहा है कि चुनावी नतीजों के बाद नितिन नवीन की नई टीम के गठन के लिए उच्चस्तरीय बैठकों का दौर शुरू होगा। बीजेपी आलाकमान के सामने सबसे बड़ी चुनौती इस बात की है कि वो बुजुर्ग हो चुके नेताओं को संगठन से बाहर रहने के लिए कैसे मना पाते हैं क्योंकि सबसे युवा अध्यक्ष चुनने के बाद पार्टी उनकी टीम को भी युवा नेताओं से ही भरना चाहती है। पार्टी के युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष की अध्यक्षता में बीजेपी को पार्टी का फैसला लेने वाली सर्वोच्च ईकाई संसदीय बोर्ड, उम्मीदवारों का चयन करने वाली केंद्रीय चुनाव समिति के साथ ही राष्ट्रीय पदाधिकारियों और मोर्चों का पुनर्गठन करना है। पार्टी में नए राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय महासचिव, राष्ट्रीय सचिव, राष्ट्रीय प्रवक्ता, मीडिया सहित विभिन्न विभागों की टीम के साथ ही राष्ट्रीय मोर्चों का भी पुनर्गठन करना है। इसके बाद बदलाव की यही प्रक्रिया सरकार और राज्यों में भी की जानी है। नई टीम में एक तरफ जहां युवा और अनुभवी नेताओं का संतुलन बनाना होगा वहीं महिलाओं को भी ज्यादा से ज्यादा जगह देनी होगी। बताया जा रहा है कि 4 मई को चुनावी नतीजे आने के 10-15 दिनों के अंदर नितिन नवीन की नई राष्ट्रीय टीम का ऐलान हो सकता है और इसके बाद भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय मुख्यालय का पूरा स्वरूप ही बदला-बदला नजर आएगा।

कांग्रेस में भी बड़े पैमाने पर बदलाव की शुरूआत आने वाले दिनों में होने जा रही है। मोदी-शाह की जोड़ी ने 46 वर्ष के नितिन नवीन को बीजेपी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाकर राहुल और सोनिया गांधी के सामने दुविधा की स्थिति पैदा कर दी है। मल्लिकार्जुन खड़गे सुलझे हुए परिपक्व नेता तो हैं लेकिन 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को भी एक युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ युवा नेताओं की टीम तो खड़ी करनी ही पड़ेगी। हालांकि यह भी बताया जा रहा है कि राहुल गांधी अभी भी इस बात पर अड़े हुए हैं कि गांधी परिवार का कोई भी व्यक्ति पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष नहीं बनेगा। ऐसे में जाहिर से बात है कि कांग्रेस को राहुल और प्रियंका गांधी से इतर जाकर अन्य युवा नेताओं की तरफ देखना पड़ेगा। इस रेस में फिलहाल सचिन पायलट सबसे आगे बताए जा रहे हैं। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा, दोनों के चहेते नेता सचिन पायलट को आने वाले दिनों में कांग्रेस का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जा सकता है, अगर अशोक गहलोत ने पार्टी के बुजुर्ग नेताओं के साथ मिलकर कोई और खेला नहीं कर दिया तो। ध्यान दीजिएगा कि, यह अकारण नहीं है कि पिछले कुछ दिनों से गहलोत बार-बार पायलट की बगावत का किस्सा सुनाने में लगे हुए है। लेकिन अगर पायलट का नाम पीछे छूट भी गया तो भी राहुल गांधी को पार्टी के लिए नया और वो भी युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष तो ढूंढना ही पड़ेगा। कांग्रेस के अंदर वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे को लेकर भी सुगबुगाहट शुरू हो गई है। कहा जा रहा है कि कर्नाटक में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की गुटबाजी पर लगाम कसने के लिए खड़गे को मुख्यमंत्री बनाकर बेंगलुरू भेजा जा सकता है और उनकी जगह पर दिल्ली में नए राष्ट्रीय अध्यक्ष को बैठाया जा सकता है। जाहिर सी बात है कि अगर खड़गे कर्नाटक जाएंगे तो फिर पार्टी को राज्यसभा में भी अपना नया नेता चुनना पड़ेगा। नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ राष्ट्रीय संगठन महासचिव भी किसी युवा नेता को ही बनाना पड़ेगा और उसके बाद कांग्रेस मुख्यालय में भी नए चेहरों की संख्या बढ़ जाएगी।

यह तय मान कर चलिए कि बीजेपी के राष्ट्रीय संगठन में मई के महीने में ही बदलाव होना तय है। हालांकि कांग्रेस में बदलाव की यह रफ्तार थोड़ी धीमी हो सकती है।

मेहनत की नींव पर टिकी दुनियाः मजदूरों के संघर्ष, योगदान और वर्तमान चुनौतियों की गाथा

कांतिलाल मांडोत

मानव सभ्यता के विकास की कहानी अगर ध्यान से पढ़ी जाए तो उसके हर पन्ने पर मजदूरों की मेहनत, पसीना और संघर्ष साफ दिखाई देता है। चाहे ऊंची-ऊंची इमारतें हों, विशाल पुल हों, फैक्ट्रियां हों या फिर खेतों में लहलहाती फसलें हर जगह एक मजदूर की मेहनत छिपी होती है। फिर भी विडंबना यह है कि समाज के इस सबसे महत्वपूर्ण वर्ग को अक्सर वह सम्मान, सुरक्षा और सुविधाएं नहीं मिल पातीं, जिसके वे हकदार हैं। इसी सच्चाई को याद दिलाने और मजदूरों के अधिकारों को लेकर जागरूकता फैलाने के लिए हर साल 1 मई को मजदूर दिवस मनाया जाता है।

मजदूर दिवस केवल एक उत्सव नहीं है, बल्कि यह एक संघर्ष की याद है। यह उन दिनों की कहानी कहता है जब मजदूरों को 15-16 घंटे तक काम करना पड़ता था, बिना किसी नि त समय सीमा और बिना पर्याप्त वेतन के। 19वीं सदी के अंत में जब औद्योगिक क्रांति अपने चरम पर थी, तब मजदूरों की स्थिति अत्यंत दयनीय थी। ऐसे समय में उन्होंने अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाई और 8 घंटे कार्य दिवस की मांग की। यह मांग धीरे-धीरे एक बड़े आंदोलन में बदल गई, जिसने पूरी दुनिया को प्रभावित किया। आज जो हमें 8 घंटे काम, 8 घंटे आराम और 8 घंटे अपने लिए का सिद्धांत मिलता है, वह इन्हीं संघर्षों की देन है।

भारत में मजदूरों की स्थिति भी अलग नहीं रही। आजादी से पहले और उसके बाद भी मजदूर वर्ग ने कई कठिनाइयों का सामना किया। 1 मई 1923 को भारत में पहली बार मजदूर दिवस मनाया गया, जिसने श्रमिक आंदोलनों को एक नई दिशा दी। इसके बाद धीरे-धीरे मजदूरों के अधिकारों के लिए कानून बनाए गए, जिनमें न्यूनतम मजदूरी, कार्य समय, सुरक्षा और सामाजिक सुरक्षा जैसी व्यवस्थाएं शामिल हैं। लेकिन कागजों पर बने ये नियम आज भी पूरी तरह जमीन पर लागू नहीं हो पाए हैं।

आज के समय में भी मजदूरों की स्थिति पूरी तरह संतोषजनक नहीं कही जा सकती। खासकर असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले मजदूरों को आज भी कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। उन्हें नियमित रोजगार नहीं मिलता, वेतन अस्थिर होता है और सामाजिक सुरक्षा का अभाव रहता है। निर्माण कार्य में लगे मजदूरों को देखें तो वे कठिन परिस्थितियों में काम करते हैं, लेकिन उनके पास न तो उचित सुरक्षा उपकरण होते हैं और न ही स्वास्थ्य सुविधाएं।

ऊंची-ऊंची इमारतों के निर्माण में मजदूरों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होती है। वे तपती धूप में, कड़कती सर्दी में और कभी-कभी बारिश में भी लगातार काम करते हैं। उनके बिना शहरों का विकास संभव ही नहीं है। लेकिन इन्हीं इमारतों के बनने के बाद अक्सर मजदूरों को वहां रहने का अधिकार नहीं मिलता। वे झुग्गियों या अस्थायी बस्तियों में रहने को मजबूर होते हैं, जहां बुनियादी सुविधाओं का भी अभाव होता है।

सरकार ने मजदूरों की स्थिति सुधारने के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं। इनमें मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) एक महत्वपूर्ण योजना है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को रोजगार उपलब्ध कराना है। इस योजना ने कई गरीब परिवारों को आर्थिक सहारा दिया है और उन्हें पलायन से भी रोका है। लेकिन इसके बावजूद कई बार इस योजना के क्रियान्वयन में खामियां देखने को मिलती हैं, जैसे समय पर भुगतान न होना या काम की कमी।

वैश्वीकरण और तकनीकी विकास ने मजदूरी के स्वरूप को भी बदल दिया है। आज के दौर में पारंपरिक मजदूरी के साथ-साथ गिग इकॉनमी और फ्रीलांसिंग जैसे नए विकल्प सामने आए हैं। हालांकि इससे कुछ लोगों को नए अवसर मिले हैं, लेकिन इससे रोजगार की स्थिरता कम हुई है। कई मजदूर अब ठेका प्रणाली के तहत काम करते हैं, जिससे उन्हें स्थायी नौकरी और उससे जुड़ी सुविधाएं नहीं मिल पातीं।

कोरोना महामारी ने मजदूरों की स्थिति को और भी कठिन बना दिया था। लॉकडाउन के दौरान लाखों मजदूरों को अपने काम से हाथ धोना पड़ा और उन्हें अपने गांवों की ओर पलायन करना पड़ा। यह दृश्य आज भी लोगों के मन में ताजा है, जब मजदूर सैकड़ों किलोमीटर पैदल चलकर अपने घर पहुंचे थे। इस घटना ने यह स्पष्ट कर दिया कि हमारे समाज में मजदूरों की स्थिति कितनी असुरक्षित है।

महिलाओं की स्थिति मजदूर वर्ग में और भी चुनौतीपूर्ण है। उन्हें पुरुषों के मुकाबले कम वेतन मिलता है और कई बार उन्हें दोहरी जिम्मेदारी निभानी पड़ती है,घर और काम दोनों की। इसके अलावा उन्हें कार्यस्थल पर सुरक्षा और सम्मान से जुड़ी समस्याओं का भी सामना करना पड़ता है। ऐसे में महिलाओं के लिए विशेष नीतियों और सुरक्षा उपायों की आवश्यकता है।

मजदूर दिवस हमें यह सोचने का अवसर देता है कि क्या हम वास्तव में अपने मजदूरों के प्रति न्याय कर पा रहे हैं? क्या उन्हें वह सम्मान, सुरक्षा और सुविधाएं मिल रही हैं, जिनके वे हकदार हैं? केवल एक दिन उन्हें सम्मान देने से काम नहीं चलेगा, बल्कि हमें पूरे साल उनके हितों के लिए काम करना होगा।

समाज और सरकार दोनों की जिम्मेदारी है कि मजदूरों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। इसके लिए न केवल कानूनों को सख्ती से लागू करना होगा, बल्कि लोगों में जागरूकता भी बढ़ानी होगी। मजदूरों को उनके अधिकारों के बारे में जानकारी देना और उन्हें संगठित करना भी जरूरी है, ताकि वे अपने अधिकारों के लिए आवाज उठा सकें।

अंततः, मजदूर केवल एक वर्ग नहीं हैं, बल्कि वे हमारे समाज की रीढ़ हैं। उनके बिना विकास की कल्पना भी नहीं की जा सकती। इसलिए हमें उनके योगदान को समझना होगा और उनके जीवन को बेहतर बनाने के लिए हर संभव प्रयास करना होगा। मजदूर दिवस हमें यही संदेश देता है कि सम्मान, समानता और न्याय केवल शब्द नहीं, बल्कि हर मजदूर का अधिकार है।

(वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार-स्तम्भकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

विदेशी भाषा संचार कौशल योजना एवं SIIC स्थापना हेतु MoU हस्ताक्षर समारोह का जिला स्तरीय प्रसारण आज 1 मई को

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा खैरथल-तिजारा

राजस्थान सरकार की बजट घोषणा 'विदेशी भाषा संचार कौशल योजना' के अंतर्गत English and Foreign Languages University, हैदराबाद, उच्च शिक्षा विभाग राजस्थान एवं Skill India International Centre (SIIC) की स्थापना हेतु National Skill Development Corporation तथा कौशल, रोजगार एवं उद्यमिता विभाग, राजस्थान के मध्य MoU हस्ताक्षर समारोह का आयोजन 1 मई 2026 को प्रातः 10:30 बजे Birla Auditorium, जयपुर में किया जाएगा। कार्यक्रम में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान एवं राजस्थान के मुख्यमंत्री की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। कार्यक्रम का जिला स्तरीय ऑनलाइन प्रसारण कलेक्ट्रेट सभागार, खैरथल-तिजारा में भी किया जाएगा, जिसमें जिले के राजकीय एवं निजी महाविद्यालयों के शिक्षक एवं विद्यार्थी भाग लेंगे। जिला कलक्टर के निर्देशानुसार कार्यक्रम के सफल आयोजन एवं संचालन हेतु अतिरिक्त जिला कलक्टर के पर्यवेक्षण में प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय खैरथल को नोडल अधिकारी तथा सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग को तकनीकी नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान व्यवस्था, तकनीकी संचालन, बैठक व्यवस्था एवं प्रचार-प्रसार सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने हेतु अधिकारियों का आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिला प्रशासन ने संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के निर्देश दिए हैं।

जिला कलक्टर ने आमजन से कि स्व गणना की अपील

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा खैरथल-तिजारा

जिला कलक्टर अतुल प्रकाश ने कहा कि भारत सरकार द्वारा जनगणना-2027 का महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्यक्रम चलाया जा रहा है, जो भारत की पहली डिजिटल जनगणना होगी जिसमें आंकड़ों का संग्रहण डिजिटल उपकरणों के माध्यम से किया जाएगा। जनगणना 2027 के प्रथम चरण के तहत मकान सूचीकरण एवं मकान गणना का कार्य 16 मई से 14 जून 2026 तक प्रगणक एवं पर्यवेक्षकों द्वारा संपादित किया जाएगा। इसमें मकानों की स्थिति, परिवारों को उपलब्ध सुविधाओं एवं परिसम्पत्तियों सम्बधी आंकड़े एकत्रित किये जाएंगे। इस जनगणना के अन्तर्गत अभिनव पहल के तहत स्व गणना (Self-Enumeration) का विकल्प भी 1 मई 2026 से 15 मई 2026 तक प्रदान किया गया है। जिला कलक्टर ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि जनगणना अभियान के तहत आप सभी ऑन लाईन पोर्टल se.census.gov.in के माध्यम से अपनी जानकारी दर्ज कर स्वगणना की इस अभिनव पहल का हिस्सा बन सकते है। उन्होंने बताया कि यह जानकारी दर्ज करने के पश्चात आपको 12 अंकों की SE ID प्राप्त होगी जिसे 16 मई से 14 जून 2026 तक जनगणना प्रगणक मकान सूचीकरण के लिए आपके घर आएगें तो यह आई डी उनको बतानी होगी। उन्होंने कहा कि जनगणना प्रगणक का पूर्ण सहयोग करे। आप द्वारा सही और सटीक जानकारी देने से सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों एवं परिवारों तक पहुँचना सुनिश्चित होगा जिससे जिले के विकास को नई दिशा प्रदान होगी। उन्होंने आमजन से अपील की आप सब मिलकर इस राष्ट्रीय महत्व के इस कार्य में अपनी सक्रिय भागीदारी निभायें। अपना पंजीकरण अवश्य कराएं। जनगणना से जन कल्याण के महाअभियान को सफल बनायें।

मंगला पशु बीमा योजना से निर्मला देवी को मिली राहत, कठिन समय में बना सहारा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा तिजारा

जिले के गांव नौरंगाबाद की निवासी निर्मला देवी के लिए मंगला पशु बीमा योजना संकटकाल में सहारा बनकर सामने आई। निर्मला देवी ने अपने पशुपालन कार्य को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से अपनी गाय का बीमा इस योजना के तहत करवाया था। कुछ समय बाद दुर्भाग्यवश उनकी गाय की मृत्यु हो गई, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ा। हालांकि, योजना के अंतर्गत समय पर बीमा क्लेम मिलने से उन्हें आर्थिक सहायता प्राप्त हुई। इस मदद ने न केवल उनके नुकसान की भरपाई की, बल्कि उन्हें फिर से पशुपालन कार्य को आगे बढ़ाने का संबल भी मिला। निर्मला देवी ने बताया कि यदि उन्होंने पशु बीमा नहीं करवाया होता तो इस नुकसान की भरपाई करना बेहद मुश्किल होता। उन्होंने अन्य पशुपालकों से भी अपील की कि वे अपने पशुओं का बीमा अवश्य करवाएं, ताकि किसी भी आकस्मिक स्थिति में आर्थिक संकट से बचा जा सके। मंगला पशु बीमा योजना पशुपालकों के लिए एक मजबूत सुरक्षा कवच के रूप में कार्य कर रही है।

शिक्षामंत्री ने ली प्रारंभिक व माध्यमिक शिक्षा की समीक्षा बैठक

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

शिक्षामंत्री मदन दिलावर ने गुरुवार को शिक्षा संकुल में प्रारंभिक व माध्यमिक शिक्षा की समीक्षा बैठक ली। बैठक में उन्होंनें गैर सरकारी विद्यालयों के मान्यता/क्रमोन्नति के लंबित प्रकरण, महिला कार्मिकों या छात्राओं के उत्पीड़न से संबंधित प्रकरण, 16 सीसीए प्रकरण, एसीबी व पुलिस जांच के प्रकरण, भर्ती परीक्षाओं में डमी अभ्यर्थी प्रकरण आदि की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली व लंबित प्रकरणों के जल्द निस्तारण के निर्देश दिए। शिक्षामंत्री ने माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के परीक्षा परिणाम व प्रवेशोत्सव की भी समीक्षा की। विभाग की ओर से इस वर्ष चार दिवसीय सघन हाउस होल्ड सर्वे व प्रवेशोत्सव के परिणामस्वरूप अब तक राजकीय विद्यालयों में हुए 69 लाख से अधिक नामांकन पर उन्होंने संतोष जताते हुए विभाग को बधाई दी। उन्होंने आगामी समय में आयोजित होने वाले पौधारोपण कार्यक्रम को लेकर भी महत्वपूर्ण निर्देश दिए। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव स्कूल शिक्षा राजेश यादव ने शिक्षामंत्री को विभाग की गतिविधियों की जानकारी दी। निदेशक माध्यमिक व प्रारंभिक शिक्षा सीताराम जाट ने निदेशालय की ओर से लंबित प्रकरणों के निस्तारण के लिए किए जा रहे कार्यों पर प्रकाश डाला। बैठक में राज्य परियोजना निदेशक व आयुक्त डॉ. रश्मि शर्मा, संयुक्त सचिव महेन्द्र खींची, अतिरिक्त राज्य परियोजना निदेशक प्रथम मती सीमा शर्मा, द्वितीय अशोक कुमार मीणा सहित विभिन्न प्रकोष्ठों के अधिकारी उपस्थित थे।

विधानसभा अध्यक्ष ने अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस पर दी शुभकामनाएँ

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर प्रदेश के समस्त श्रमिकों, कामगारों, कारीगरों एवं मेहनतकश नागरिकों को हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई दी है। स्पीकर देवनानी ने कहा कि श्रमिक वर्ग किसी भी राष्ट्र की आर्थिक, सामाजिक एवं औद्योगिक प्रगति का प्रमुख आधार होता है। खेत-खलिहानों से लेकर कारखानों, निर्माण स्थलों, उद्योगों एवं सेवा क्षेत्र तक, श्रमिकों का अथक परिश्रम राष्ट्र निर्माण की धुरी है। उनके बिना विकास की कल्पना अधूरी है। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस केवल उत्सव का दिन नहीं, बल्कि श्रमिकों के अधिकारों, उनके सम्मान, सुरक्षित कार्य-परिस्थितियों तथा सामाजिक सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने का भी महत्वपूर्ण अवसर है। यह दिन हमें श्रमिकों के संघर्ष, उनके योगदान और उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाने के संकल्प की याद दिलाता है। स्पीकर देवनानी ने कहा कि राज्य एवं केंद्र सरकार द्वारा श्रमिकों के कल्याण के लिए विभिन्न योजनाएँ संचालित की जा रही हैं, जिनका उद्देश्य उन्हें आर्थिक सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवाएँ, आवास, शिक्षा एवं सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना है। उन्होंने श्रमिकों से इन योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया तथा संबंधित विभागों से यह सुनिश्चित करने की अपेक्षा व्यक्त की कि इन योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति के श्रमिक तक पहुँचे।

ग्राम पंचायत जाट बहरोड में संध्या चौपाल, जिला कलक्टर ने सुनी स्थानीय समस्याएं

लोक कलाकारों ने स्थानीय गीतों के माध्यम से दी सरकारी योजनाओं की जानकारी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा खैरथल-तिजारा

उपखंड मुंडावर की ग्राम पंचायत जाट बहरोड में जिला कलेक्टर अतुल प्रकाश की अध्यक्षता में गुरुवार को संध्या चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल में आमजन की समस्याओं को प्राथमिकता से सुनते हुए कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। संध्या चौपाल के दौरान आधार में शुद्धिकरण, चारागाह, शमशान की भूमि रास्ता अतिक्रमण, गांव के रास्ते का अतिक्रमण, म्यूटेशन, विरासत, पीएम किसान निधि, पेंशन, बिजली, पानी सहित विभिन्न विषयों से जुड़े कुल 23 परिवाद प्राप्त हुए। जिला कलेक्टर ने मौके पर ही अधिकारियों को प्रकरणों के समाधान के लिए शीघ्र कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी प्रकरण को अनावश्यक लंबित न रखा जाए और शीघ्र ही समाधान सुनिश्चित किया जाए। साथ ही परिवादियों से व्यक्तिगत संपर्क बनाकर निस्तारण प्रक्रिया को प्रभावी बनाने और औसत निपटान समय में सुधार लाने के निर्देश भी दिए। जिला कलेक्टर ने मौके पर 3 परिवाद का भी त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया। संध्या चौपाल के दौरान एलईडी रथ के माध्यम से अल्पकालीन फसली ऋण, गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना, स्वयं सहायता समूह (एसएचजी), तारबंदी, फार्म पॉन्ड, पीएम आवास योजना ग्रामीण, स्प्रिंकल, जैविक खाद योजना, कृषक साथी योजना, पीएम सूर्य घर योजना, कुसुम योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया गया। योजनाओं के बारे में आमजन को जागरूक किया गया। इस दौरान कला जत्था के लोक कलाकारों ने स्थानीय लोकगीत में विभिन्न योजनाओं की जानकारी आमजन को प्रदान कि। रात्रि चौपाल में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जया सिंह, अतिरिक्त उपखंड अधिकारी सृष्टि जैन, विकास अधिकारी संजय यादव, तहसीलदार विवेक, जनप्रतिनिधिगण, ग्रामीणजन तथा विभिन्न विभागों के जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक का हुआ आयोजन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा खैरथल-तिजारा

जिला कलक्टर अतुल प्रकाश की अध्यक्षता में गुरुवार को जिला सचिवालय खैरथल-तिजारा में जिला जल एवं स्वास्थ्य समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में उन्होंने जिले में स्वीकृत जल योजनाओ एवं प्रस्तावित जल योजनाओ की प्रगति के सम्बन्ध मे चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने स्वीकृत जल योजनाओं की निविदा एवं कार्य प्रगति की स्थिती की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने जिले में बढ़ती गर्मी एवं जल संकट की स्थिति को देखते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि जिस भी ग्राम पंचायत में टैंकरों के माध्यम से जल आपूर्ति की जा रही है, इसकी जानकारी सप्लाई से पूर्व में संबंधित क्षेत्र में आमजन तक पहुंचाई जाए। अधीक्षण अभियंता धर्मवीर सिहं ने बताया कि जल जीवन मिशन में स्वीकृत 543 ग्रामों में से 502 ग्रामो (127675 जल कनेक्शन) के कार्यादेश के तहत 91603 जल कनेक्शन जारी किये जा चुके है। स्वीकृत 543 ग्रामों में 502 ग्रामों के कार्यादेश जारी, 46 ग्राम नान- फिजिबल/ शहरी हो गए है। जारी कार्यादेशो में से 299 ग्रामों की योजनाओं 100 प्रतिशत जल कनेक्शन कर, 93 ग्रामो की योजना ग्राम पंचायतों को हस्तांतरित की जा चुकी है। जल जीवन मिशन के 326 ग्रामों का कार्य भौतिकरूप से पूर्ण कर 298 ग्राम हर घर जल रिपोर्ट एव 61 ग्राम हर घर जल प्रमाणित किये जा चुके है, 93 ग्रामो की योजना ग्राम पचायतों को हस्तानान्तरित किए गए। जिस पर जिला कलेक्टर ने प्रगति बढाने हेतू निर्देशित किया गया। उन्होंने बताया कि अमृत 2.0 के अंतर्गत शहरी योजना टपूकड़ा एवं हृष्ट्र परियोजना के अंतर्गत शहर खैरथल का कार्य प्रगति पर है। बैठक के दौरान विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

मुसाखेड़ा गांव में एलईडी मोबाइल वैन के माध्यम से योजनाओं का प्रचार-प्रसार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा खैरथल-तिजारा

राजस्थान सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार के तहत किशनगढ़ बास विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत मुसाखेड़ा में बुधवार को एलईडी मोबाइल वैन पहुंची। वैन के गांव में पहुंचते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्रित हुए और योजनाओं से संबंधित जानकारी को ध्यानपूर्वक सुना। इस अवसर पर पूर्व विधायक किशनगढ़ बास रामहेत यादव ने उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित करते हुए विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी तथा उनका अधिकतम लाभ उठाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ग्राम रथ अभियान का उद्देश्य अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति तक योजनाओं सहित अन्य योजनाओं का लाभ पहुंचाना है, जिससे ग्रामीणों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा सके। उन्होंने बताया कि इस प्रकार के नवाचारपूर्ण प्रयासों से क्षेत्र को नई गति मिल रही है। सहायक विकास अधिकारी पूरणमल जाटव ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य सरकारी योजनाओं को ग्रामीण क्षेत्रों तक प्रभावी रूप से पहुंचाकर पात्र लाभार्थियों को सीधे लाभान्वित करना है। एलईडी मोबाइल वैन के माध्यम से विभिन्न योजनाओं, विकास कार्यों एवं उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी सरल एवं सहज भाषा में प्रस्तुत की गई, जिससे ग्रामीणों में जागरूकता में वृद्धि हुई। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने बताया कि उन्हें पूर्व में कई योजनाओं की जानकारी नहीं थी, किंतु इस पहल के माध्यम से अब उन्हें योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त हो रही है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रयासों से योजनाओं का वास्तविक लाभ अंतिम छोर तक पहुंच सकेगा। कार्यक्रम के समापन पर ग्रामीणों द्वारा एलईडी मोबाइल वैन के कार्मिकों एवं जनप्रतिनिधियों का फूल-मालाओं से स्वागत कर आभार व्यक्त किया गया। गांव में आयोजित इस जनजागरूकता अभियान को लेकर ग्रामीणों में विशेष उत्साह देखा गया तथा उन्होंने ऐसे कार्यक्रमों के निरंतर आयोजन की मांग की।

नशे के कारोबार में फंसा पुलिसकर्मी बर्खास्त

स्मैक तस्करी में गिरफ्तारी के बाद विभाग की बड़ी कार्रवाई, सेवा से किया निष्कासित

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

प्रतापगढ़ पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी में लिप्त पाए गए एक पुलिसकर्मी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए उसे राज्य सेवा से बर्खास्त कर दिया है। विभाग ने स्पष्ट संदेश दिया है कि कानून तोड़ने वाले चाहे विभाग के भीतर हों या बाहर उनके विरुद्ध इसी प्रकार की कठोरतम वैधानिक और प्रशासनिक कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। जानकारी के अनुसार दिनांक 24 अप्रैल 2026 को थाना पिण्डवाड़ा जिला सिरोही में दर्ज प्रकरण संख्या 153/2026 में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 244 ग्राम अवैध स्मैक के परिवहन के आरोप में प्रतापगढ़ जिले में पदस्थापित कांस्टेबल विनोद सिंह (नं. 38) को गिरफ्तार किया था। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/21 के तहत मामला दर्ज किया गया। प्रारंभिक जांच और विभागीय परीक्षण में यह सामने आया कि कांस्टेबल विनोद सिंह, जो स्वयं कानून और नियमों की जानकारी रखता था, मादक पदार्थ तस्करी जैसे गंभीर अपराध में संलिप्त पाया गया। विभाग ने इसे सेवा आचरण नियमों का गंभीर उल्लंघन और नैतिक अधमता का कृत्य माना। मामले की गंभीरता को देखते हुए राजस्थान सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम, 1958 के नियम 19(2) के तहत आज 30 अप्रैल 2026 को कांस्टेबल विनोद सिंह को राज्य सेवा से बर्खास्त कर दिया गया।

उपखंड कार्यालय व पंचायत समिति मुंडावर का निरीक्षण

लंबित प्रकरणों के त्वरित निस्तारण के निर्देश

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा खैरथल-तिजारा

जिला कलक्टर अतुल प्रकाश ने गुरुवार को मुंडावर स्थित उपखंड कार्यालय व पंचायत समिति का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उपखंड कार्यालय के निरीक्षण के दौरान जिला कलेक्टर ने कन्वर्जन पोर्टल को खुलवाकर लंबित प्रकरणों की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन आवेदकों के प्रकरण लंबित हैं, उन्हें आवश्यक दस्तावेजों की पूर्ति हेतु स्पष्ट जानकारी उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि आवेदकों के दस्तावेज पूर्ण करवाकर प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को योजनाओं का वास्तविक लाभ मिल सके। साथ ही उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि कई बार प्रार्थियों को कागजी प्रक्रियाओं की पर्याप्त जानकारी नहीं होती, ऐसे में उन्हें उचित मार्गदर्शन देना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने नकल शाखा को सुव्यवस्थित तरीके से रिकॉर्ड को संधारित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने लंबे समय से लंबित न्यायालयीन प्रकरणों की समीक्षा की और निर्देश दिए कि पुराने मामलों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निस्तारण किया जाए। उन्होंने कोर्ट फाइलों में तारीख देने व नोटिंग स्वयं द्वारा लिखने के निर्देश दिए। साथ ही निस्तारित फाइलों को क्रमबद्ध तरीके से रखने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने पंचायत समिति मुंडावर के निरीक्षण के दौरान स्वच्छ भारत मिशन, पीएम आवास योजना सहित विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर अधिकारियों का आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने पंचायत समिति की लेखा शाखा, पंचायत शाखा सहित अन्य शाखाओं का निरीक्षण कर संधारित रिकॉर्ड की जांच कर लंबित प्रकरणों को निस्तारित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उपखंड अधिकारी सृष्टि जैन, विकास अधिकारी संजय यादव, तहसीलदार विवेक सहित अन्य अधिकारी एवं कार्मिक उपस्थित रहे।

ग्राम रथ अभियान के तहत विभिन्न ग्राम पंचायत में सफलतापूर्वक आयोजित किए गए कार्यक्रम

1 मई को ग्राम रथों का रहेगा यह रूट

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा खैरथल-तिजारा

राज्य सरकार द्वारा कृषि, पशुपालन एवं ग्रामीण विकास को नई दिशा देने के उद्देश्य से आगामी 23 से 25 मई 2026 को आयोजित 'ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट' (ल्ड्ड्रू) के प्रचार-प्रसार हेतु 'ग्राम रथ अभियान' 27 अप्रैल से 15 दिवस तक संचालित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जिले की व्यापक कार्ययोजना के अंतर्गत किशनगढ़ बास, तिजारा एवं मुंडावर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्रों के 4 ब्लॉकों तथा 180 ग्राम पंचायतों को इस अभियान के तहत कवर किया जा रहा है। ग्राम रथ प्रतिदिन 4 से 5 स्थानों पर रुककर ऑडियो-वीडियो माध्यमों से ग्रामीणों को कृषि निवेश, नवाचार एवं आधुनिक तकनीकों के प्रति जागरूक कर रहे हैं।

1 मई को ग्राम रथों का रहेगा यह रूट

जिला कलक्टर अतुल प्रकाश ने बताया कि मुंडावर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत भुनगड़ा अहीर, मूंडानवाड़ा कलां, करनीकोट, पदमाडा खुर्द एवं माजरी खोला गांवों में जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया जाएगा। साथ ही माजरी खोला में संध्या चौपाल आयोजित होगी, जिसमें आमजन की समस्याओं का समाधान एवं योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। इसी प्रकार किशनगढ़ विधानसभा क्षेत्र के मिर्जापुर,धमुकड़, बरसंगपुर, लंगड़बास एवं बोलनी गांवों में भी प्रचार-प्रसार किया जाएगा तथा बोलनी में संध्या चौपाल का आयोजन किया जाएगा। तिजारा विधानसभा क्षेत्र के हंसपुर माफी, बाघोर, फुल्लावास, गोल एवं जैरोली गांवों में भी ग्राम रथ के माध्यम से योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया जाएगा तथा जैरोली में संध्या चौपाल आयोजित की जाएगी।

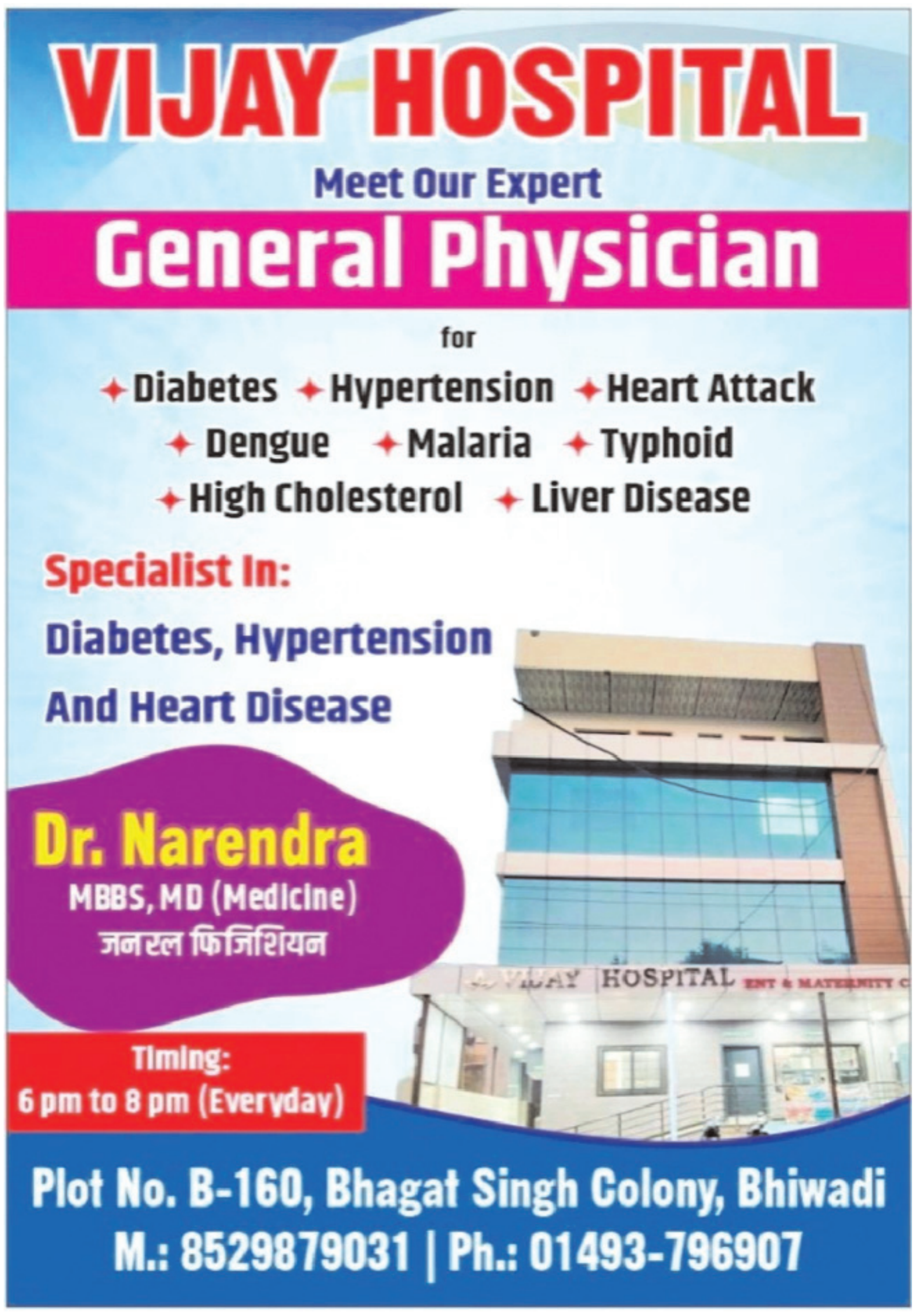

NEET अभ्यर्थियों को रोडवेज बसों में नि:शुल्क यात्रा सुविधा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

3 मई 2026 को आयोजित होने वाली NEET (UG)-2026 परीक्षा के लिए राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम ने अभ्यर्थियों को बड़ी राहत दी है। परीक्षा दिवस से दो दिन पूर्व और दो दिन बाद तक परीक्षार्थियों को रोडवेज की साधारण एवं द्रुतगामी बसों में नि:शुल्क यात्रा सुविधा मिलेगी। इस सुविधा के तहत अभ्यर्थी अपने निवास, कोचिंग स्थल या तैयारी स्थल से परीक्षा केंद्र तक बिना किराया दिए यात्रा कर सकेंगे। निगम ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि परीक्षार्थियों की संख्या के अनुसार अतिरिक्त बसों का संचालन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही अतिरिक्त बसों में ऑनलाइन आरक्षण सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि विद्यार्थियों को समय पर यात्रा सुविधा मिल सके। स्टाफ की तैनाती और समुचित निगरानी के भी निर्देश दिए गए हैं। समस्त जोनल मैनेजरों को अधीनस्थ आगारों के साथ समन्वय स्थापित कर बेहतर परिवहन व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है, जिससे परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

चतरपुरा में पशु अस्पताल भवन का भूमि पूजन, 25 लाख की लागत से होगा निर्माण

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बानसूर

बानसूर क्षेत्र के चतरपुरा गांव में पशुपालकों के लिए बड़ी सौगात के रूप में पशु चिकित्सालय भवन का भूमि पूजन किया गया। यह भवन करीब 25 लाख रुपए की लागत से तैयार किया जाएगा, जिससे क्षेत्र के पशुपालकों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं मिल सकेंगी। यह कार्य बानसूर विधायक देवी सिंह शेखावत के प्रयासों से संभव हुआ। भूमि पूजन कार्यक्रम विधि-विधान के साथ ग्रामीणों की मौजूदगी में संपन्न हुआ। ग्राम पंचायत प्रशासक नीरज कुमार तोंनंगरिया ने बताया कि अस्पताल भवन बनने से पशुओं के उपचार के लिए ग्रामीणों को दूर नहीं जाना पड़ेगा और स्थानीय स्तर पर ही सुविधा उपलब्ध होगी। अस्पताल निर्माण के लिए भूमि दानदाता दीप सिंह शेखावत पुत्र बेरिसाल सिंह शेखावत ने अपनी भूमि दान की। इस सराहनीय योगदान के लिए ग्रामीणों ने उनका सम्मान किया। ग्राम पंचायत ने भी भूमि दानदाता के इस कार्य की प्रशंसा करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक बताया। इसके साथ ही ग्राम पंचायत द्वारा सीसी सड़क निर्माण कार्य भी स्वीकृत किया गया है। पंचायत प्रशासक ने बताया कि विधायक के सहयोग से ग्राम पंचायत क्षेत्र में विकास कार्यों को गति मिल रही है और कई अन्य कार्यों के लिए भी लाखों रुपए की स्वीकृति मिली है। इस अवसर पर उप सरपंच रोहतांग सिंह शेखावत, भवानी सिंह, ओमपाल सिंह, हरि सिंह, जयराम रावत, नानूराम मीणा, नरेश सिंह, हनुमान रावत, विजय सिंह शेखावत, लहरी राम गुर्जर, देवकरण, महिपाल यादव, सुरेश यादव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

एंटी वेनम 2.0 अभियान के तहत छात्रों को नशे के खिलाफ किया जागरूक

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा हरसौरा

पुलिस द्वारा एंटी वेनम 2.0 नशा मुक्ति अभियान के तहत गुरुवार को विद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय हरसौरा एवं राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय हमीरपुर के छात्र-छात्राओं को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम में पुलिस टीम ने विद्यार्थियों को बताया कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य, परिवार और समाज तीनों के लिए हानिकारक है। नशे की लत युवाओं के भविष्य को प्रभावित करती है और कई सामाजिक समस्याओं को जन्म देती है। विद्यार्थियों से नशे से दूर रहने और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने की अपील की गई। इस दौरान साइबर अपराध से बचाव के उपायों की भी जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को बताया गया कि किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ अपनी निजी जानकारी साझा नहीं करें और संदिग्ध ऑनलाइन गतिविधियों से सतर्क रहें। साथ ही यातायात नियमों की जानकारी देते हुए सड़क सुरक्षा के प्रति सजग रहने का संदेश दिया गया। थानाधिकारी जनमेजा राम ने विद्यार्थियों को नशामुक्त और जागरूक जीवन अपनाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी यदि सही दिशा में आगे बढ़ेगी तो समाज भी मजबूत बनेगा। साथ ही सभी से यातायात नियमों का पालन करने और जिम्मेदार नागरिक बनने की अपील की गई। इस अवसर पर विद्यार्थियों को एंटी वेनम अभियान से संबंधित पंपलेट भी वितरित किए गए। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय स्टाफ, पुलिस कर्मी तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कंपनी में आपदा प्रबंधन मॉक ड्रिल, राहत-बचाव की तैयारियों को परखा गया

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नीमराना

औद्योगिक क्षेत्र स्थित स्न्ह्व लश्हह्वष्ध्द कंपनी में गुरुवार शाम सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन को लेकर मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य आपातकालीन स्थिति में कर्मचारियों की त्वरित और प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित करना रहा। ड्रिल के दौरान कंपनी के सभी श्रमिकों, कर्मचारियों और स्टाफ ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस अभ्यास में आग लगने की स्थिति, आपातकालीन निकासी प्रक्रिया तथा प्राथमिक उपचार जैसी महत्वपूर्ण व्यवस्थाओं का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। इसका उद्देश्य किसी भी अप्रिय घटना के समय नुकसान को न्यूनतम करना और सभी को सतर्क एवं प्रशिक्षित रखना था। मॉक ड्रिल के दौरान कर्मचारियों को बताया गया कि संकट की स्थिति में घबराने के बजाय संयम और सतर्कता के साथ कार्य करना चाहिए। सुरक्षित निकासी मार्ग, अग्निशमन उपकरणों के उपयोग और प्राथमिक उपचार की प्रक्रिया को विस्तार से समझाया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ मानव संसाधन प्रबंधक लोकेश खंडेलवाल और संयंत्र प्रमुख मनोज श्रीवास्तव ने कर्मचारियों को सुरक्षा मानकों का पालन करने और आपात स्थिति में जिम्मेदारी के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि सुरक्षा केवल नियम नहीं, बल्कि कार्यस्थल की प्राथमिक आवश्यकता है। कंपनी प्रबंधन ने बताया कि भविष्य में भी इस प्रकार की मॉक ड्रिल नियमित रूप से आयोजित की जाती रहेंगी, ताकि सभी कर्मचारी किसी भी आपदा से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार रह सकें।

श्मशान घाट में पानी की टंकी और चबूतरे का निर्माण

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा मांढ़ण

गांव नांगल मेहता के श्मशान घाट में भामाशाह सुग्रीव यादव द्वारा पानी की टंकी और चबूतरे का निर्माण कराया गया। इससे श्मशान घाट में सुविधाओं का विस्तार हुआ है और ग्रामीणों को राहत मिली है। ग्रामीणों ने बताया कि लंबे समय से यहां पानी और बैठने की व्यवस्था की आवश्यकता थी। अब टंकी और चबूतरे के निर्माण से लोगों को सुविधा मिलने लगी है। पेड़-पौधों की देखभाल के लिए ब्रह्मप्रकाश यादव द्वारा निजी नलकूप से नियमित पानी की आपूर्ति की जा रही है। वहीं जगमाल सिंह यादव श्मशान घाट में लगे पेड़-पौधों की नियमित देखरेख कर रहे हैं, जिससे हरियाली बढ़ रही है और वातावरण स्वच्छ बना हुआ है। इस अवसर पर सुग्रीव यादव, जगमाल सिंह यादव, बबरीभान, ब्रह्मप्रकाश यादव, जागृत यादव सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

नीट परीक्षा को लेकर कलेक्टर सख्त, सुरक्षा और व्यवस्थाओं की समीक्षा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

आगामी 3 मई को आयोजित होने वाली नीट परीक्षा को लेकर जिला कलेक्टर अपर्णा गुप्ता ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक लेकर संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में परीक्षा के सफल, शांतिपूर्ण और निष्पक्ष आयोजन के लिए सुरक्षा, परिवहन और मूलभूत सुविधाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। जिला कलेक्टर ने परीक्षा केन्द्रों पर अभ्यर्थियों के लिए छाया, पेयजल, प्राथमिक उपचार, ओआरएस पैकेट तथा एम्बुलेंस की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गर्मी को देखते हुए परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि जिले में नीट परीक्षा 19 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित होगी। परीक्षा के दौरान राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी की जीरो टोलरेंस नीति लागू रहेगी। परीक्षा केन्द्रों पर अनाधिकृत प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। किसी भी प्रकार की जानकारी लीक होने, सुरक्षा में चूक या लापरवाही पर तत्काल आपराधिक कार्रवाई की जाएगी। जिला कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि सोशल मीडिया पर प्रश्नपत्र से संबंधित किसी भी सामग्री का प्रसार साइबर अपराध माना जाएगा और एफआईआर दर्ज की जाएगी। परीक्षा के दौरान समय से पहले बाहर जाने की अनुमति भी नहीं होगी। उन्होंने बताया कि परीक्षा केन्द्रों के 300 मीटर दायरे में ई-मित्र, फोटो कॉपी और साइबर कैफे जैसी दुकानें बंद रहेंगी ताकि परीक्षा की गोपनीयता बनी रहे। सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए। अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए आरटीओ और डीटीओ को विशेष परिवहन व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया। परीक्षा केन्द्रों के रूट चार्ट जारी करने, साइन बोर्ड लगाने तथा क्या करें और क्या न करें संबंधी एडवाइजरी जारी करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी प्रकाश चंद मीणा, परीक्षा नोडल संजू जोशी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

एएनएम से मारपीट व छेड़छाड़ के आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग, एसडीएम कार्यालय पर प्रदर्शन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नारायणपुर

बासदयाल थाना क्षेत्र में महिला एएनएम के साथ मारपीट और छेड़छाड़ के मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने पर गुरुवार को एएनएम महिलाओं में रोष देखने को मिला। घटना के 24 घंटे से अधिक समय बीत जाने के बावजूद पुलिस द्वारा कोई गिरफ्तारी नहीं किए जाने पर दर्जनों एएनएम महिलाओं ने एसडीएम कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन किया। एएनएम कर्मियों ने उपखंड अधिकारी दिनेश शर्मा को ज्ञापन सौंपते हुए आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं। पुलिस के अनुसार पीड़िता एएनएम 29 अप्रैल को दोपहर करीब डेढ़ बजे फील्ड कार्य पूरा कर निर्माणाधीन सब सेंटर भवन के पास से गुजर रही थीं। इसी दौरान किसी विवाद को लेकर बच्चू सिंह, सुनील सिंह और शायर सिंह ने बीच सड़क पर उनके साथ मारपीट की और छेड़छाड़ का प्रयास किया। घटना के दौरान मौके पर मौजूद राहगीरों ने बीच-बचाव कर महिला को आरोपियों से छुड़वाया। मारपीट में एएनएम को शरीर पर कई जगह चोटें आईं। इसके बाद पीड़िता ने बासदयाल थाने में आरोपियों के खिलाफ एससी-एसटी एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कराया। एएनएम संघ ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि सोमवार तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं की गई तो 4 मई को सभी एएनएम सामूहिक अवकाश पर रहेंगी। इससे क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं। संघ ने महिला कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

गूंती में नृसिंह भगवान के मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने बांधा समां, कुश्ती दंगल रहा आकर्षण

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बहरोड़

क्षेत्र के गांव गूंती की कानबेलियां की ढाणी में गुरुवार को नृसिंह भगवान का मेला, भंडारा एवं कुश्ती दंगल धूमधाम से आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विधि-विधान से पूजा-अर्चना के साथ हुई, जिसके बाद श्रद्धालुओं के लिए भंडारे का आयोजन किया गया। भीषण गर्मी को देखते हुए युवाओं ने मीठे पानी की छबील लगाकर आने वाले श्रद्धालुओं और ग्रामीणों की सेवा की। बड़ी संख्या में लोगों ने मेले में पहुंचकर भगवान के दर्शन किए और भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। पूरे दिन धार्मिक और उत्सवी माहौल बना रहा।दोपहर बाद आयोजित कुश्ती दंगल मेले का मुख्य आकर्षण रहा। आसपास के क्षेत्रों से आए नामी पहलवानों ने अखाड़े में दमखम दिखाते हुए जोरदार मुकाबले किए। कुश्ती मुकाबले 100 रुपये से शुरू होकर 21 हजार रुपये तक के इनामों के लिए लड़े गए। पहलवानों के दांव-पेंच और रोमांचक मुकाबलों ने दर्शकों को खूब उत्साहित किया। बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने दंगल का आनंद लिया। रात्रि में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें दीपा चौधरी एंड पार्टी ने भक्ति गीतों और लोकगीतों की शानदार प्रस्तुतियां देकर माहौल को भक्तिमय बना दिया। कलाकारों की प्रस्तुतियों पर दर्शकों ने खूब तालियां बजाईं और देर रात तक कार्यक्रम का आनंद लिया। इस अवसर पर कांग्रेस नेता डॉ. आरसी यादव, संजय यादव, रोहिताश यादव, मोहर सिंह, पूर्व सरपंच अशोक यादव, डेलीगेट बाबूलाल यादव, जिला पार्षद सुनील, सरपंच अनिल मीणा, सुबेसिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और श्रद्धालु उपस्थित रहे।

सिद्धि और कुमार योग में आज मनाई जाएगी पीपल पूर्णिमा, शादियों की रहेगी धूम

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को मनाई जाने वाली पीपल पूर्णिमा इस बार शुक्रवार को मनाई जाएगी। इस दिन सिद्धि योग और कुमार योग का विशेष संयोग बनने से इसका धार्मिक और मांगलिक महत्व और बढ़ गया है। अबूझ सावा होने के कारण शहर और आसपास के क्षेत्रों में विवाह समारोहों की धूम रहेगी। पंडित यज्ञदत्त शर्मा के अनुसार इस दिन बनने वाले सिद्धि योग और कुमार योग को मांगलिक कार्यों के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है। 14 अप्रैल को मीन मलमास समाप्त होने के बाद 19 अप्रैल से अक्षय तृतीया के साथ ही विवाह और अन्य शुभ कार्यों की शुरुआत हो चुकी है। पीपल पूर्णिमा के दिन बड़ी संख्या में विवाह समारोह आयोजित होंगे। पीपल पूर्णिमा को बुद्ध पूर्णिमा भी कहा जाता है। इस दिन पीपल के वृक्ष और भगवान की पूजा का विशेष महत्व होता है।

एनडीपीएस एक्ट के 13 मामलों में जब्त मादक पदार्थ नष्ट, फैक्ट्री के किलन में जलाया गया

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

मादक पदार्थों के प्रकरणों में जब्तशुदा माल के निस्तारण के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत गुरुवार को जिला स्तरीय कमेटी ने 13 मामलों में जब्त करीब 6 किलोग्राम मादक पदार्थों को नष्ट किया। यह कार्रवाई जिला पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह के नेतृत्व में की गई। जयपुर रेंज आईजी राहुल प्रकाश के निर्देश पर चल रहे अभियान के अंतर्गत गठित जिला स्तरीय कमेटी में एएसपी नीमराणा सुरेश खिंची, डीएसपी कोटपूतली राजेंद्र बुरडक और अपराध सहायक प्रदीप कुमार शामिल रहे। कार्रवाई के दौरान कोटपूतली थानाधिकारी राजेश कुमार शर्मा, सरूण्ड थानाधिकारी यशपाल सिंह, मांढ़न थानाधिकारी किरण यादव, एएसआई कृष्ण कुमार, शेरसिंह तथा हेड कांस्टेबल विक्रम सिंह मौजूद रहे। पुलिस थाना कोटपूतली, सरूण्ड, मांढ़न, नीमराना, नारायणपुर और पनियाला में दर्ज एनडीपीएस एक्ट के 13 प्रकरणों में जब्त मादक पदार्थों को नियमानुसार निस्तारित किया गया। अल्ट्राटेक सीमेंट फैक्ट्री मोहनपुरा में फैक्ट्री अधिकारियों, कर्मचारियों, संबंधित थानों के मालखाना प्रभारी तथा ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों के सहयोग से यह प्रक्रिया पूरी की गई। करीब 6 किलोग्राम मादक पदार्थों को फैक्ट्री के किलन में जलाकर नष्ट किया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान लगातार जारी है और ऐसे मामलों में जब्त सामग्री का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जा रहा है, ताकि अवैध नशे के कारोबार पर प्रभावी नियंत्रण रखा जा सके।

मंदिर भूमि पर अतिक्रमण हटाने की मांग तेज, 5 मई से कलेक्ट्रेट पर धरना

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

निकटवर्ती ग्राम शुक्लावास और खड़ब की मंदिर भूमि पर अवैध अतिक्रमण हटाने तथा राजस्थान उच्च न्यायालय के आदेश की पालना सुनिश्चित कराने की मांग को लेकर ग्रामीणों में भारी रोष व्याप्त है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन ने शीघ्र कार्रवाई नहीं की तो 5 मई से जिला कलेक्ट्रेट पर धरना-प्रदर्शन शुरू किया जाएगा। सामाजिक कार्यकर्ता राधेश्याम शुक्लावास ने बताया कि ग्राम शुक्लावास में खसरा नंबर 896, जो मंदिर भूमि के रूप में दर्ज है, पर क्रेशर कारोबारियों द्वारा जबरन अवैध रास्ता बना लिया गया है। इस संबंध में तहसीलदार को शिकायत दी गई थी, जिस पर राजस्व अधिनियम की धारा 91 के तहत कार्रवाई करते हुए बेदखली के आदेश भी पारित किए गए, लेकिन राजनीतिक प्रभाव के चलते आज तक अतिक्रमण नहीं हटाया जा सका। उन्होंने बताया कि इस मामले को लेकर राजस्थान उच्च न्यायालय में याचिका दायर की गई थी। न्यायालय ने 1 अप्रैल को आदेश जारी करते हुए दो माह के भीतर अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए थे। साथ ही जिला कलक्टर और तहसीलदार को आदेश की पालना सुनिश्चित कराने की जिम्मेदारी भी सौंपी गई थी, लेकिन अब तक प्रशासनिक स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इसी प्रकार ग्राम खड़ब के खसरा नंबर 1044 और 517, जो मंदिर भूमि है, पर भी खनन कारोबारी द्वारा अवैध रूप से रास्ता निकालकर भारी वाहनों का आवागमन कराया जा रहा है। इस मामले में भी तहसीलदार द्वारा बेदखली के आदेश जारी किए जा चुके हैं, लेकिन अतिक्रमण यथावत बना हुआ है। ग्रामीणों का आरोप है कि खनन कारोबारी मंदिर भूमि पर पक्का निर्माण कर दुकानें भी बना रहा है। हल्का पटवारी की मौका रिपोर्ट के बावजूद प्रशासन कार्रवाई नहीं कर रहा। पुलिस जाप्ता उपलब्ध होने के बावजूद अधिकारियों का मौके पर नहीं पहुंचना गंभीर और संदिग्ध स्थिति को दर्शाता है। ग्रामीणों ने बताया कि 29 अप्रैल को भी अतिक्रमण हटाने के लिए तिथि निर्धारित की गई थी, लेकिन कोई अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा। इससे लोगों में प्रशासन के प्रति नाराजगी और बढ़ गई है। ग्रामीणों ने मांग की है कि उच्च न्यायालय के आदेशों की तत्काल पालना कर दोनों स्थानों से अतिक्रमण हटाया जाए। अन्यथा 5 मई से जिला कलेक्ट्रेट पर अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। साथ ही धरनार्थियों के लिए बिजली, पानी, शौचालय और सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराने की मांग भी प्रशासन से की गई है।

बाबा भोमिया मंदिर में भव्य मेला और भंडारा आयोजित, श्रद्धालुओं ने लिया प्रसाद

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बहरोड़

नृसिंह चतुर्दशी के अवसर पर बाबा भोमिया मंदिर में ग्रामीणों एवं मंदिर समिति के तत्वावधान में भव्य मेला और भंडारे का आयोजन किया गया। इस दौरान पूरे क्षेत्र में धार्मिक और उत्सवमय वातावरण बना रहा तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर धर्म लाभ लिया। मेले में ग्रामीण भजन सत्संग मंडली ने दिनभर बाबा का गुणगान किया। भक्ति गीतों और भजनों से मंदिर परिसर भक्तिमय बना रहा। वहीं सामूहिक सुंदरकांड पाठ का भी आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने श्रद्धापूर्वक भाग लिया। सुबह 9:15 बजे पंडित दिनेश जोशी के सानिध्य में विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन-यज्ञ संपन्न हुआ। हवन में श्रद्धालुओं ने क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली के लिए पूर्णाहुति दी। इसके बाद मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना कर भगवान की आरती उतारी गई। हवन के बाद भंडारे में दाल-बाटी-चूरमा का भोग अर्पित किया गया। भंडारे की शुरुआत कन्याओं को भोजन कराकर और दक्षिणा भेंट कर की गई। इसके बाद श्रद्धालुओं ने पंगत में बैठकर प्रसाद ग्रहण किया। माजरी खुर्द, विजय सिंह पुरा, रोड़वाल, पिपली, बिचपुरी सहित आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु मेले में पहुंचे। ग्रामीणों ने आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग दिया। पूरे दिन मंदिर परिसर में आस्था, श्रद्धा और उत्साह का माहौल बना रहा।

सड़क निर्माण में अनियमितता पर ग्रामीणों का प्रदर्शन, दो दिन में उखड़ने लगा डामर

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा शाहजहांपुर

कस्बे के निकटवर्ती ग्राम सक्तपुरा में चल रहे सड़क निर्माण कार्य में घटिया सामग्री के उपयोग को लेकर ग्रामीणों में भारी रोष व्याप्त है। किसान आंदोलन के दौरान लगभग पांच वर्ष पहले क्षतिग्रस्त हुई सक्तपुरा से मानका जाने वाली सड़क का पुनर्निर्माण लोक निर्माण विभाग द्वारा कराया जा रहा है। करीब 500 मीटर सीमेंट कंक्रीट और 500 मीटर डामर सड़क का निर्माण कार्य चल रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता मानकों की पूरी तरह अनदेखी की जा रही है। उनका कहना है कि सड़क निर्माण में निम्न स्तर की सामग्री का उपयोग किया गया है, जिसके कारण निर्माण के मात्र दो दिन बाद ही सड़क का डामर उखड़ने लगा है। ग्रामीणों के अनुसार सड़क की स्थिति इतनी खराब है कि उसे हाथ से खोदने पर भी डामर आसानी से निकल रहा है। इससे सक्तपुरा और मानका गांव के लोगों में आक्रोश फैल गया। लोगों का कहना है कि यदि अभी से सड़क की यह हालत है तो बरसात के मौसम में स्थिति और गंभीर हो जाएगी। नाराज ग्रामीणों ने एकजुट होकर विरोध-प्रदर्शन किया और सड़क का पुनर्निर्माण उच्च गुणवत्ता मानकों के अनुसार दोबारा कराने की मांग उठाई। उन्होंने संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की भी मांग की। प्रदर्शन में कैप्टन नरेंद्र कुमार, रामावतार प्रधानाचार्य, सूबेदार सूरजभान, सूबेदार रतन सिंह, शेर सिंह, भूप सिंह, किशनलाल नंबरदार, आर.के. टेलर सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और महिलाएं शामिल रहीं। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र ही उचित कार्रवाई नहीं की गई तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा। वहीं लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता असलम खान ने कहा कि मामले की जानकारी उन्हें अभी तक नहीं मिली है

डूंगरपुर में कांग्रेस का कलेक्ट्रेट के बाहर प्रदर्शनः मनरेगा, बिजली और पानी की समस्याओं को लेकर दिया धरना

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा डूंगरपुर

डूंगरपुर में मनरेगा, बिजली और पेयजल सहित अन्य समस्याओं को लेकर कांग्रेस ने प्रदर्शन किया। कांग्रेस के जिला अध्यक्ष और विधायक गणेश घोगरा के नेतृत्व में यह प्रदर्शन कलेक्ट्रेट पर धरने के साथ संपन्न हुआ। कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस कार्यालय से कलेक्ट्रेट तक रैली निकाली। प्रदर्शन के दौरान केंद्र और राज्य सरकार के खिलाफ आरोप लगाए गए और जिला कलेक्टर को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा गया। इस अवसर पर पूर्व सांसद ताराचंद भगोरा और पूर्व मंत्री डॉ शंकर यादव सहित कई कांग्रेसी नेता मौजूद थे। विधायक गणेश घोगरा ने राज्य की भजनलाल सरकार और केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने मनरेगा योजना में व्याप्त अव्यवस्थाओं, श्रमिकों को रोजगार नहीं मिलने और पुलिस प्रशासन की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाए। घोगरा ने कहा कि डूंगरपुर जैसे जिले में, जहां लाखों लोगों को मनरेगा के माध्यम से रोजगार मिलना चाहिए था, वहां आज संख्या कुछ ही हजारों में सिमट कर रह गई है। उन्होंने बिछीवाड़ा का उदाहरण देते हुए बताया कि 42

पंचायतों में से केवल 1500 श्रमिकों का एमआर जारी हुआ है। घोगरा ने आरोप लगाया कि सरकार जानबूझकर मनरेगा को खत्म करना चाहती है, जिससे गरीब तबके का जीवन यापन मुश्किल हो गया है। विधायक ने मनरेगा में 'फेस आईडी' अटेंडेंस सिस्टम की आलोचना करते हुए कहा कि खराब नेटवर्क और तकनीकी दिक्कतों के कारण श्रमिकों को दोपहर 12 बजे तक इंतजार करना पड़ता है और कई बार उनकी हाजिरी भी नहीं लग पाती। उन्होंने मांग की कि श्रमिकों और मेटों का भुगतान 15 दिनों के भीतर किया जाए और दैनिक मजदूरी बढ़ाकर 400 रुपए की जाए। विधायक घोगरा ने हाल ही में टाडी ओबरी सरपंच की गिरफ्तारी को लेकर भी अपनी बात रखी। आरोप लगाया कि पुलिस प्रशासन आरएसएस और भाजपा के एजेंट के रूप में काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि एक जनप्रतिनिधि को बिना अनुमति सरकारी स्कूल में राजनीतिक कार्यक्रम करने का विरोध करने पर गिरफ्तार करना लोकतंत्र की हत्या है। विधायक गणेश घोगरा ने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा, 'हम अंग्रेजों से नहीं डरे, तो इन खाकी वर्दी वालों और भाजपा सरकार से भी नहीं डरेंगे।' उन्होंने घोषणा की कि यदि श्रमिकों की समस्याओं का समाधान नहीं हुआ और सरपंच को न्याय नहीं मिला, तो वे पूरे जिले में उग्र 'जेल भरो आंदोलन' करेंगे।

कोटा सिटी मॉल 7 दिन के लिए रहेगा बंद, फायर सिस्टम की होगी गहन जांच

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटा

कोटा के सिटी मॉल में लगी आग के बाद प्रशासन अलर्ट मोड पर आ गया है. झालावाड़ रोड स्थित इस प्रमुख मॉल को एहतियातन 7 दिनों के लिए बंद कर दिया गया है, जबकि अग्निशमन विभाग पूरे मामले की विस्तृत जांच में जुट गया है. आग के बाद मॉल में फॉल सीलिंग और कांच बिखरे हैं. आग के बाद मॉल के अंदर, फॉल सीलिंग क्षतिग्रस्त हो गई. कांच और मलबा कई जगह फैला हुआ मिला, हालांकि समय रहते आग पर काबू पा लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया. मुख्य अग्निशमन अधिकारी राकेश व्यास के मुताबिक प्रथम दृष्टया शोरूम में शॉर्ट सर्किट आग लगने का कारण माना जा रहा है. मौके के निरीक्षण में फायर उपकरण मौजूद और वर्किंग हालत में पाए गए, लेकिन बड़ा सवाल यह है कि आग लगने के बाद ये सिस्टम सक्रिय क्यों नहीं हुए, इस घटनाक्रम हर पहलू की जांच शुरू कर दी गई है. मॉल का फुल फायर ऑडिट किया जाएगा, फायर सेफ्टी सिस्टम की कार्यक्षमता जांची जाएगी, आपात स्थिति में सिस्टम फेल क्यों हुआ, इसका विश्लेषण होगा. इस हादसे के बाद नगर निगम ने सख्त एक्शन लिया है. नगर निगम आयुक्त ओमप्रकाश मेहरा ने मामले को गंभीरता से लेते हुए दो विशेष फायर टीमों का गठन किया है. ये टीमें शहर की अन्य कमर्शियल बिल्डिंग मल्टी स्टोरी, रिहायशी इमारतों का औचक निरीक्षण करेंगी, जहां कमी मिलेगी, वहां सुधार के लिए नोटिस जारी किये जाएगे. जिला प्रशासन सुनिश्चित करना चाहता है कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकना, फायर सेफ्टी सिस्टम को मजबूत बनाने के साथ भीड़भाड़ वाली जगहों पर सुरक्षा सुनिश्चित हो सके.

भीषण सड़क हादसा, करोड़ों का कैश लेकर जा रही बैंक की गाड़ी बनी आग का गोला

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा टोंक

राजस्थान के टोंक में नेशनल हाईवे-52 पर स्थित निवाई क्षेत्र में गुरुवार को एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया. जयपुर से भीलवाड़ा की ओर जा रही एचडीएफसी बैंक की एक टेंपो ट्रैक्स गाड़ी में अचानक भीषण आग लग गई. इस वैन में बैंक का करोड़ों रुपये का कैश रखा हुआ था. गनीमत यह रही कि समय रहते सूचना मिलते ही निवाई पुलिस और हाईवे कर्मी सक्रिय हो गए, जिससे जान-माल का नुकसान नहीं हुआ. शुरुआती जानकारी के अनुसार, वाहन में शॉर्ट सर्किट होने की वजह से अचानक धुआं निकलने लगा. देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और पूरी गाड़ी आग के गोले में तब्दील हो गई. चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए गाड़ी को सड़क किनारे रोका, जिसके बाद हड़कंप मच गया. हादसे के दौरान हाईवे कर्मियों ने अदम्य साहस का परिचय दिया. आग की लपटों के बीच उन्होंने तुरंत गाड़ी में मौजूद सुरक्षा गार्डों को बाहर निकाला और करोड़ों की नकदी (कैश) को सुरक्षित बाहर खींच लिया. सूचना पर निवाई पुलिस भी मौके पर पहुंची और यातायात नियंत्रित किया. घटना की गंभीरता को देखते हुए निवाई एचडीएफसी बैंक के शाखा प्रबंधक तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे. पूरी नकदी को कड़ी सुरक्षा के बीच दूसरे वाहन में शिफ्ट किया गया और सुरक्षित रूप से निवाई ब्रांच पहुंचाया गया. भीषण आग से टेंपो ट्रैक्स गाड़ी पूरी तरह जलकर राख हो गई, लेकिन करोड़ों का कैश और स्टाफ सुरक्षित है.

अपहरण-फिरौती के दो आरोपियों का जुलूस निकालाः सिर मुंडवाकर शहर में घुमाया

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बारां

बारां में कांच व्यापारी के अपहरण और फिरौती मामले में पुलिस ने दो आरोपियों का जुलूस निकाला। एएसपी राजेश चौधरी के नेतृत्व में गुरुवार को आरोपी शाहरुख और राहिल का सिर मुंडवाकर उन्हें नंगे पैर शहर के प्रमुख मार्गों पर घुमाया गया। इस दौरान उनसे घटनास्थल की तस्दीक भी करवाई गई। जुलूस के दौरान बड़ी संख्या में शहरवासी आरोपियों को देखने के लिए सड़कों पर जमा हो गए। आरोपी गर्दन झुकाकर और कान पकड़कर 'अपराध करना पाप है' कहते नजर आए। बाद में दोनों को कोर्ट में पेश किया गया। प्रशिक्षु डीएसपी भजनलाल ने बताया कि शहर निवासी कांच व्यापारी सतीश गौड़ का कुछ दिन पहले कब्रिस्तान स्थित दरगाह के पास से अपहरण कर लिया गया था। बदमाश उसे जबरन कार में डालकर तेल फैक्ट्री के पास एक खेत में ले गए, जहां उसके साथ मारपीट की गई। आरोपियों ने हथियार दिखाकर सतीश गौड़ को डराया-धमकाया और एक करोड़ रुपए की फिरौती मांगी। बाद में उनसे 14 लाख रुपए वसूल लिए गए। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अब तक इस मामले में 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में शाहरुख और राहिल भी शामिल हैं, जिन्हें दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया था। पुलिस ने इनके कब्जे से फिरौती की राशि में से करीब 8 लाख रुपए बरामद किए हैं। डीएसपी ने बताया कि बारां पुलिस का उद्देश्य आमजन में विश्वास और अपराधियों में भय बनाए रखना है। पुलिस फिलहाल आरोपियों को कोर्ट में पेश कर आगे की कार्रवाई में जुटी है।

पॉक्सो में गिरफ्तार आरोपी ने बाड़मेर एएसपी ऑफिस में पेपर कटर से काटा गला, अस्पताल लेकर पहुंची पुलिस

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बाड़मेर

बाड़मेर महिला अपराध एएसपी कार्यालय में पॉक्सो एक्ट के आरोपी ने गला काटकर आत्महत्या करने का प्रयास किया. पुलिस उसको आनन-फानन में बाड़मेर मेडिकल कॉलेज जिला अस्पताल लेकर पहुंची, जहां पर उसका इलाज कराया. आरोपी खून से लथपथ हो गया था. आरोपी ने भी कुछ नहीं बताया. पुलिस ने आरोपी का इलाज कराया, इसके बाद जेल भेज दिया. जानकारी के अनुसार, बाड़मेर की महिला थाने में दर्ज पॉक्सो के मामले में नरेश को पुलिस ने गिरफ्तार किया था, और महिला अपराध अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रभुराम इस पूरे मामले की जांच कर रहे हैं. आज एएसपी कार्यालय में जांच में पूछताछ के दौरान युवक ने अपना गला काट लिया. उसके बाद पुलिस के हाथ पांव फूल गए, और तुरंत उसको घायल अवस्था में बाड़मेर मेडिकल कॉलेज जिला अस्पताल ले गए. चिकित्सकों ने उसका इलाज किया, उसके बाद पुलिस ने उसे अस्पतावापस एएसपी कार्यालय लेकर आ गई है. इस पूरे मामले को लेकर अस्पताल पहुंचे महिला अपराध अनुसंधान सेल

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रभु राम ने किसी भी प्रकार की जानकारी देने से इनकार कर दिया. आरोपी युवक भी मीड?िया के सामने कुछ नहीं बोला. बाड़मेर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निर्देश आर्य का कहना है कि महिला थाने में दर्ज पॉक्सो के मामले में नरेश कुमार पुत्र दालाराम निवास गांधीनगर को गिरफ्तार किया था, जिसको आज फिंगरप्रिंट लेने के दौरान टेबल पर रखे पेपर कटर से खुद की गर्दन पार वार कर दिया था. उसके बाद जाब्ते ने उसे अस्पताल ले जाकर ईलाज करवाया, अब उसको जेल भेज दिया है. लापरवाही बरतने वाले के खिलाफ जांच करवाई जा रही है.

आशा सहयोगिनियों ने निकाली रैलीः स्थायी करने, वेतन बढ़ाने की मांग, आंदोलन और धरने की दी चेतावनी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भरतपुर

भरतपुर के शास्त्री पार्क से कलेक्ट्रेट तक 200 आशा सहयोगिनें रैली निकालकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंची। आशा सहयोगिनियों का कहना है कि सरकार उन्हें अब भी 5 हजार रुपये ही मासिक वेतन देती है। इतने पैसे से खर्चा चलाना मुश्किल है। इसलिए सरकार आशा सहयोगिनों की सैलरी 26 हजार रुपये करे। रैली में शामिल आशा सहयोगिनी राजेश्वरी व्यास ने बताया-हम सभी की मांग है कि सरकार आशा सहयोगिनियों को नियमित कर्मचारी पद में शामिल करें। जहां-जहां राज्य सरकार ने आशा सहयोगिनियों को राज्य कर्मचारी के रूप में शामिल नहीं किया हुआ है, वहां उनका एकमुश्त सैलरी 26 हजार रुपये दी जाए। धरना दे रही आशा सहयोगिनियों ने यह भी कहा कि उन्हें बोनस अंक भी दिए जाएं। ताकि सरकार की आगामी भर्ती में इन बोनस अंकों के आधार पर आशा सहयोगिनियों को स्थाई किया जा सके। आशा सहयोगिनियों को मिलने वाली प्रोत्साहन राशि भी क्लेम के रूप में मिलती है। इसे भी तनख्वाह में जोड़ा जाए, जिससे हर महीने भुगतान हो सके। अगर यह सभी मांगे पूरी नहीं होतीं, तो सभी आशाएं आंदोलन करते हुए अनिश्चितकालीन धरना देंगी।

कॉलेज स्टूडेंट्स ने कलेक्ट्रेट का किया घेरावः यूनिवर्सिटी से जुड़ी समस्याओं को लेकर प्रदर्शन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा धौलपुर

धौलपुर में एबीवीपी के बैनर तले कॉलेज स्टूडेंट्स ने महाराजा सूरजमल यूनिवर्सिटी में व्याप्त विभिन्न समस्याओं को लेकर प्रदर्शन किया। इस दौरान कई कॉलेजों से जुड़े छात्र-छात्राएं कलेक्ट्रेट पहुंचे और जिला कलेक्टर के माध्यम से विश्वविद्यालय के कुलगुरु के नाम एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में छात्रों ने आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय

प्रशासन बिना पर्याप्त तैयारी समय दिए परीक्षाओं का आयोजन करवा रहा है। इससे विद्यार्थियों को तैयारी के लिए उचित समय नहीं मिल पा रहा है, जिसे छात्रों ने उनके हितों के विपरीत बताया। एबीवीपी से जुड़े विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय में व्याप्त अन्य समस्याओं के शीघ्र समाधान की भी मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं की गई, तो वे उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे।

लड़के-लड़की की धमकियों से परेशान युवती कायलाना में कूदीः बोली- मानसिक रूप से टॉर्चर कर रहा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जोधपुर

जोधपुर के राजीव गांधी नगर थाना क्षेत्र स्थित कायलाना झील में गुरुवार सुबह एक युवती ने छलांग लगा दी। उसने एक परिचित लड़के-लड़की की धमकियों से परेशान होकर यह खौफनाक कदम उठाया। मौके पर मौजूद गोताखोरों और महिला पुलिसकर्मियों की तत्परता से युवती को डूबने से बचा लिया गया। पानी से बाहर निकालने के बाद टीम ने उसे सीपीआर देकर होश में लाया, जिसके बाद उसे मथुरादास माथुर (एमडीएम) अस्पताल ले गए। बाद में पुलिस की सूचना पर वहां पहुंचे परिजनों को सौंप दिया। सुबह करीब 10:30 बजे कायलाना झील पर तैनात गार्ड व कैमरामैन ने वहीं गश्त कर रही पुलिस की कालिका यूनिट की कांस्टेबल रूपा, सुगर, संगीता और अनु को बताया कि एक लड़की पानी में कूद गई है। इस पर वे उस तरफ दौड़ीं। वहीं, स्पीड बोट कंपनी के मैनेजर सुरेश मेवाड़ा ने भी जब आवाज सुनी, तो उन्होंने टीम को अलर्ट किया। मुस्तैदी दिखाते हुए पास ही मौजूद गोताखोर मदन सिंह, भागीरथ, नारायण और वेलाराम ने देखा कि एक युवती पानी में डूब रही है और वह किनारे से काफी दूर है। दूरी अधिक होने के कारण गोताखोर तुरंत स्पीड बोट लेकर मौके पर पहुंचे। युवती को डूबता देख गोताखोरों ने पानी में छलांग लगा दी और उसे सुरक्षित बाहर निकाल लिया। पानी से बाहर लाने पर कालिका यूनिट की टीम ने बिना समय गंवाए उसे सीपीआर दिया, जिससे युवती को होश आ गया। इसके बाद उसे पानी पिलाकर किनारे पर

बैठाया गया। युवती को बाहर निकालने के बाद राजीव गांधी नगर थानाधिकारी रविंद्रपाल सिंह को घटना की जानकारी दी। साथ ही युवती को एमडीएम हॉस्पिटल ले जाया गया। उससे पूछताछ के बाद पुलिस ने उसकी बड़ी बहन को सूचना देकर हॉस्पिटल बुलाया और युवती को उनके सुपुर्द कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया- स्पीड बोट्स पाइंट से कुछ दूरी पर लड़की फोन चलाते हुए दिखी थी, जैसा अमूमन नजर आता है। इसलिए किसी ने उस पर ज्यादा गौर नहीं किया। इस दौरान वो किसी से मोबाइल पर बात भी कर रही थी। बाद में वो पानी के झरने की तरफ कब पहुंची, उसके छलांग लगाने के बाद ही इसका पता चला। युवती को पूरी तरह होश आने के बाद पुलिस ने उससे सुसाइड की कोशिश का कारण पूछा, तो उसने बताया कि एक लड़का और एक लड़की उसे लंबे समय से परेशान कर धमकियां दे रहे हैं। उसी मानसिक रूप से टॉर्चर की वजह से तंग आकर उसने अपनी जान देने का प्रयास किया। इसके लिए पुलिस को अलग से रिपोर्ट भी देने की बात कही है।

कांग्रेस नेता बोले-पायलट पर बीजेपी प्रदेश प्रभारी की टिप्पणी गलत

जो भाषा यूपी में चलती है, उसका उपयोग किया है, मैं निंदा करता हूंः उचियारड़ा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जोधपुर

जोधपुर में कांग्रेस नेता करण सिंह उचियारड़ा ने भाजपा के प्रदेश प्रभारी राधा मोहन दास की कांग्रेस नेता सचिन पायलट पर की गई टिप्पणी की निंदा की है। उन्होंने कहा कि मैं भारतीय जनता पार्टी से अपील करता हूं कि ऐसे लोग (भाजपा के प्रदेश प्रभारी राधा मोहन दास) आपकी पार्टी में शोभा नहीं देते। उन्हें तुरंत पार्टी से बाहर निकलना चाहिए ताकि राजस्थान में पक्ष और विपक्ष के बीच जो भाईचारा बना हुआ है , वह बना रहे। उचियारड़ा ने एलिवेटेड रोड के काम में देरी और एयरपोर्ट टर्मिनल की बिल्डिंग को लेकर भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि काम में देरी पर कीमत बढ़ जाती है। यहां तो 900 करोड़ की

स्कीम थी। 700 करोड़ के आस-पास आ गई है। दरअसल, बीजेपी के प्रदेश प्रभारी राधा मोहन दास अग्रवाल ने टोंक में पायलट पर तंज कसते हुए कहा था कि पायलट टोंक के स्थानीय विधायक हैं, वे बहुरूपिया हैं, उनकी एक टांग कांग्रेस में रहती है, एक जाने कहां रहती है। इसके बाद से सियासी गलियारों में वार-पलटवार का दौर चल रहा है। अब जोधपुर से लोकसभा प्रत्याशी रहे कांग्रेस के करण सिंह उचियारड़ा ने कहा कि बीजेपी के प्रदेश प्रभारी ने जो भाषा यूपी में चलती है, उसका उपयोग किया है। उसकी मैं निंदा करता हूं। उचियारड़ा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी में अटल बिहारी वाजपेयी और भैरोंसिंह शेखावत जैसे लोग भी हुए हैं। आज उनकी आत्मा दुख पा रही होगी कि राजस्थान जैसे प्रदेश में जहां भाईचारा प्रमुखता से देखा जाता है। जहां भाषा ही सब कुछ है। हमारे ससुराल में जब हम जाते हैं तो कुत्ते को भी कुत्तों जी कहकर पुकारते हैं। वहां ये भाई साहब (बीजेपी के प्रदेश प्रभारी राधा मोहन दास अग्रवाल) ने जिन शब्दों का उपयोग किया है, मैं उन शब्दों को वापस बोलकर अपनी जुबान को खराब नहीं करना चाहता हूं। मैं यह जरूर कहूंगा कि आपको परिवार ने ऐसी क्या शिक्षा दी होगी कि आप इस तरीके के चरित्रहीन भाषा का प्रयोग करते हैं। मैं उम्मीद करता हूं और परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करता हूं कि हे प्रभु इनको सद्बुद्धि दे। उन्होंने कहा कि राधा मोहन दास जो बोले हैं, उसकी मैं निंदा करता हूं। मां भगवती आशापुरा और परमपिता परमेश्वर अग्रवाल साहब को सद्बुद्धि देगी।

जातीय सर्वे को टालना चाहते हैं पीएम मोदी- महासचिव जयराम रमेश

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

कांग्रेस ने गुरुवार को कहा कि सरकार द्वारा जातीय जनगणना की घोषणा किए एक साल पूरा हो चुका है, लेकिन अब तक ये साफ नहीं है कि यह प्रक्रिया कैसे पूरी की जाएगी। कांग्रेस पार्टी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जातीय सर्वे को टालना चाहते हैं। कांग्रेस के संचार प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि आज ही के दिन एक साल पहले मोदी सरकार ने आगामी जनगणना में जातीय गणना को भी शामिल करने की घोषणा की थी। जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा पोस्ट में कहा, 'प्रधानमंत्री के नाटकीय यू-टर्न की समयरेखा ये है कि 21 जुलाई 2021 को लोकसभा में एक भाजपा सांसद के सवाल के जवाब में गृह मंत्री ने कहा था कि सरकार ने नीति के तौर पर जातिवार जनसंख्या की गणना नहीं करने का फैसला किया है। इसके बाद 21 सितंबर 2021 को मोदी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर करके कहा कि जातिवार जनगणना के लिए अदालत का कोई भी निर्देश सरकार के नीति-निर्णय में हस्तक्षेप के समान होगा।' कांग्रेस नेता ने यह भी उल्लेख किया कि 16 अप्रैल 2023 को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर जनगणना के साथ ही जातीय जनगणना कराने की मांग की थी। हालांकि 28 अप्रैल 2024 को एक इंटरव्यू में प्रधानमंत्री ने कहा था कि जातीय जनगणना की मांग अर्बन नक्सल की सोच को दर्शाती है। जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री को इस टिप्पणी के लिए कांग्रेस नेतृत्व से माफी मांगनी चाहिए और साथ ही देश की जनता को यह भी बताना चाहिए कि 30 अप्रैल 2025 को जातीय जनगणना की घोषणा करते समय उनकी सोच कथित अर्बन नक्सल के विचार से कैसे प्रभावित हुई। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने पोस्ट में लिखा, 'पूरा एक साल बीत चुका है, लेकिन अब तक ये साफ नहीं है कि जातीय गणना कैसे की जाएगी। विपक्षी दलों, राज्य सरकारों और इस विषय के विशेषज्ञों से कोई बातचीत नहीं की गई है।' उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने 5 मई 2025 को इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री को फिर पत्र लिखा था, लेकिन उसका भी कोई जवाब नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि उस पत्र में उठाए गए मुद्दे आज भी प्रासंगिक हैं। उन्होंने दावा किया कि हाल ही में समाप्त हुए संसद के विशेष सत्र के बाद यह और स्पष्ट हो गया है कि प्रधानमंत्री जातीय जनगणना को टालने की मंशा रखते हैं।

भीषण गर्मी से राहत: कश्मीर-केरल और पंजाब-बंगाल तक बारिश; हिमाचल व जम्मू-कश्मीर में हिमपात

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से मौसम के मिजाज में आया बदलाव जारी है। पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर से लेकर पूर्वी हिमालयी पूर्वोत्तर के राज्यों में हल्की से भारी बारिश हुई है और चोटियों पर हिमपात दर्ज किया गया है। पंजाब और राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली समेत उत्तर भारत के मैदानी क्षेत्रों से लेकर केरल तक गरज और चमक के साथ फुहारे पड़ी हैं और तेज हवाएं भी चली हैं। इससे भीषण गर्मी से बड़ी राहत मिली है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के ताजा आंकड़ों के अनुसार, बुधवार सुबह 8:30 बजे तक बीते 24 घंटों के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फरबाद, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश में अधिकांश जगहों पर गरज और चमक के साथ हल्की से तेज बारिश हुई और 50-100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं। उप हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी लगभग 21 सेमी तक वर्षा दर्ज की गई। त्रिपुरा, असम, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर और मिजोरम में भी भारी बारिश हुई। मिजोरम के पांच जिलों में स्कूलों में छुट्टी करनी पड़ी। देश के अलग-अलग हिस्सों में आंधी-तूफान और वर्षा जनित घटनाओं में 20 लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए। उत्तर प्रदेश में अचानक आए आंधी और बारिश के दौरान हुए हादसों में 18 लोगों की मौत हो गई। सबसे ज्यादा सात मौतें सुल्तानपुर में, जबकि अमेठी और अयोध्या में तीन-तीन मौतें हुई हैं। झारखंड के गिरिडीह जिले में बिजली गिरने से दो लोगों की मौत हो गई और चार घायल हो गए। हिमाचल प्रदेश में शिमला, मनाली, सुंदरनगर में बूंदाबांदी हुई। इसके अलावा कुल्लू और लाहौल में बारिश हुई। रोहतांग दर्रा, कुंजम दर्रा समेत ऊंची चोटियों में बर्फ के फाहे गिरने से ठंड का प्रकोप बढ़ गया है। खराब मौसम में भी बड़ी संख्या में सैलानी कोकसर पहुंचे और जमकर मस्ती की। इधर, चंबा में पांगी उपमंडल की ऊपरी चोटियों सुसार हिल्स, हुड़ान, गुम्मा, सुराल, सचे जोत में 12.7 सेंटीमीटर ताजा बर्फबारी हुई। डलहौजी, चंबा, भरमौर, तीसा, भटियात विस क्षेत्रों में हल्की बारिश ने लोगों को ठंडक देने का काम किया। बदले मौसम से प्रदेश में 10 डिग्री तक गिरा है और यह अधिकतम तापमान 42 डिग्री तक पहुंच गया था जो दो दिन से बदले मौसम से घटकर 30 से 35 डिग्री तक आ गया है। जम्मू-कश्मीर में अधिकांश क्षेत्रों में बुधवार तड़के से ही घने बादल छा गए थे। कहीं रिमझिम बारिश हुई तो कहीं तेज। किश्तवाड़, रियासी और चिनैनी समेत विभिन्न क्षेत्रों में रुक-रुककर मूसलाधार बारिश हुई।

एक अरब के सट्टे का खेल बेनकाब, रडार पर भाजपा नेता, खड़ी की आकूत संपत्ति; झांसी के पार्षद पति समेत नौ सटोरिये

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा झांसी

झांसी के नवाबाद पुलिस ने ऑनलाइन सट्टा संचालित करने वाले बड़े गिरोह का बुधवार को भंडाफोड़ कर दिया। पुलिस ने तीन बड़े सटोरिये- तिलयानी बजरिया निवासी शुभम उपाध्याय, सिंधी कॉलोनी निवासी विजय बाधवा, बड़ागांव गेट निवासी नितिन अग्रवाल को गिरफ्तार कर उनके पास से 100 करोड़ रुपये अधिक के लेनदेन का रिकॉर्ड बरामद किया है। इसके आधार पर पुलिस को भाजपा किसान मोर्चा उपाध्यक्ष एवं सहकारिता बैंक के निदेशक आशीष उपाध्याय, पार्षद पति पप्पू यादव समेत नौ सटोरियों का पता चला है। पुलिस उनको तलाश रही है। इस बीच सटोरियों के बैंक खातों में जमा 50 लाख रुपये की रकम जब्त करवा दी गई है। पुलिस अफसरों का दावा है कि जल्द इन आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। एसएसपी बीबी जीटीएस मूर्ति ने बताया कि बुधवार तड़के मुस्तरा से सखी के हनुमान मंदिर के पास नवनिर्मित जेडीए कॉलोनी के पहाड़ी मार्ग पर कुछ सटोरियों के मौजूद होने की सूचना पर पुलिस टीम ने घेराबंदी की। आरोपियों ने भागने के लिए अपनी फॉर्च्यूनर कार से पुलिस की सरकारी जीप में टक्कर मार दी, इससे चालक समेत विश्वविद्यालय चौकी प्रभारी निखिल कुमार घायल हो गए। पुलिस ने तीनों आरोपियों को घेरकर पकड़ लिया। उनके पास से आठ मोबाइल, एक टैबलेट, 84 हजार 500 रुपये समेत कार को बरामद किया। सट्टे से संबंधित बहीखाता भी बरामद हुआ। गिरफ्तार शुभम उपाध्याय का पूर्व आपराधिक इतिहास भी सामने आया है।

एम्स की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, सरकार से कहा- गर्भपात के नियमों में अब बदलाव की जरूरत

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कड़ा रुख दिखाया। 15 वर्षीय दुष्कर्म पीड़िता के 30 हफ्ते की गर्भावस्था समाप्त करने की अनुमति पर सुनवाई हुई। इस फैसले को चुनौती देने वाली एम्स की क्यूरेटिव पिटीशन पर अदालत ने आपत्ति जताई। अदालत ने केंद्र सरकार से यह भी कहा कि कानून में संशोधन कर दुष्कर्म पीड़िताओं को 20 हफ्ते से अधिक समय के बाद भी गर्भपात की अनुमति देने पर विचार किया जाए। कोर्ट ने साफ कहा कि जब गर्भधारण दुष्कर्म के कारण हुआ हो, तो समय सीमा नहीं होनी चाहिए और कानून को समय के साथ बदलना चाहिए। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की पीठ ने कहा कि यह बाल दुष्कर्म का मामला है और अगर गर्भपात की अनुमति नहीं दी गई तो पीड़िता को जीवनभर मानसिक आघात झेलना पड़ेगा। अदालत ने कहा कि अगर मां को स्थायी शारीरिक नुकसान नहीं होता है तो गर्भपात किया जाना चाहिए। साथ ही एम्स को निर्देश दिया गया कि वह पीड़िता के माता-पिता को इस मुद्दे पर उचित परामर्श दे, क्योंकि अंतिम निर्णय पीड़िता और उसके परिवार का होना चाहिए। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि देश में पहले से ही कई बच्चे गोद लेने के लिए हैं, कई बच्चे सड़कों पर बेसहारा हैं और इस पर माफिया भी सक्रिय हैं। यह 15 साल की बच्ची का अनचाहा गर्भ है। उसे पढ़ाई करनी चाहिए, लेकिन हम उसे मां बनने के लिए मजबूर कर रहे हैं। सोचिए उसने कितना दर्द और अपमान सहा है। वहीं, ढ्ढ्ढस की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने दलील दी कि इस अवस्था में गर्भपात संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि 30 हफ्ते में भ्रूण एक जीवित शिशु के रूप में विकसित हो चुका है, जिसमें गंभीर विकृतियां हो सकती हैं। साथ ही नाबालिग मां को जीवनभर स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं और भविष्य में वह मां नहीं बन पाएगी। उन्होंने सुझाव दिया कि बच्चे को जन्म के बाद गोद दिया जा सकता है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने दोहराया कि गर्भपात का निर्णय पीड़िता और उसके माता-पिता की इच्छा पर निर्भर करेगा और एम्स की भूमिका उन्हें सूचित निर्णय लेने में मदद करने की होनी चाहिए। मुख्य न्यायाधीश ने मीडिया से इस मामले की रिपोर्टिंग करते समय संवेदनशीलता बरतने और सुनवाई से संबंधित हर बात (अदालत में हुई पूरी बातचीत) को रिकॉर्ड न करने का आग्रह किया। सुप्रीम कोर्ट ने 24 अप्रैल को फैसला सुनाते हुए कहा था किसी भी महिला, विशेषकर नाबालिग, को उसकी इच्छा के खिलाफ गर्भावस्था के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। इस फैसले के साथ सुप्रीम कोर्ट ने नाबालिग को सात महीने से अधिक की गर्भावस्था को मेडिकल तरीके से खत्म करने की अनुमति दे दी थी। अदालत ने कहा था कि इस मामले में गर्भ अनचाहा है। साथ ही, उसने पहले दो बार आत्महत्या का प्रयास किया है, ऐसे में गर्भावस्था जारी रखना उसके हित में नहीं है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा था कि गर्भवती महिला की पसंद सर्वोपरि है, न कि जन्म लेने वाले बच्चे की। अदालत ने कहा कि जबरन गर्भावस्था को जारी रखने से नाबालिग के मानसिक स्वास्थ्य, शिक्षा, सामाजिक स्थिति और समग्र विकास पर गहरा असर पड़ सकता है। पीठ ने कहा था कि महिला की प्रजनन संबंधी स्वायत्तता को सर्वोच्च महत्व दिया जाना चाहिए। यदि किसी महिला को अनचाहे गर्भ को जारी रखने के लिए मजबूर किया जाता है

पवन खेड़ा को राहत मिलेगी या नहीं?: सुप्रीम कोर्ट ने अग्रिम जमानत याचिका पर फैसला रखा सुरक्षित

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। यह मामला असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी रिनिकी भुयान सरमा के खिलाफ लगाए गए आरोपों से जुड़ा है। पवन खेड़ा ने आरोप लगाया था कि असम के मुख्यमंत्री की पत्नी के पास कई पासपोर्ट हैं और विदेशों में अघोषित संपत्तियां हैं। इन आरोपों के बाद रिनिकी भुइयां शर्मा ने खेड़ा और अन्य के खिलाफ गुवाहाटी क्राइम ब्रांच थाने में भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत आपराधिक मामला दर्ज कराया। जस्टिस जेके महेश्वरी और जस्टिस एएस चंदूरकर की पीठ ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया। सुनवाई के दौरान खेड़ा की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने दलील दी कि उनके मुवक्किल के खिलाफ लगाए गए आरोप ट्रायल का विषय हैं और गिरफ्तारी की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि जिन धाराओं में मामला दर्ज है, उनमें से कई जमानती हैं और बाकी में भी गिरफ्तारी जरूरी नहीं है, इसलिए अग्रिम जमानत से इनकार करना उचित नहीं होगा। सिंहवी ने यह भी तर्क दिया कि यदि ऐसे मामलों में अग्रिम जमानत नहीं दी जाती, तो इस कानूनी प्रावधान का उद्देश्य ही समाप्त हो जाएगा। वहीं, असम सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने याचिका का विरोध करते हुए कहा कि खेड़ा ने मुख्यमंत्री की पत्नी के पासपोर्ट से जुड़े फर्जी और छेड़छाड़ किए गए दस्तावेज पेश किए हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि खेड़ा जांच से बच रहे हैं और लगातार वीडियो जारी कर गलत तथ्यों को प्रचारित कर रहे हैं। मेहता ने अदालत को बताया कि मुख्यमंत्री की पत्नी के खिलाफ लगाए गए सभी आरोप निराधार और गलत हैं। पवन खेड़ा ने 24 अप्रैल को गुवाहाटी उच्च न्यायालय द्वारा अग्रिम जमानत देने से इनकार करने के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। इससे पहले तेलंगाना हाई कोर्ट ने उन्हें सात दिनों की ट्रांजिट अग्रिम जमानत दी थी, लेकिन असम पुलिस की अपील पर सुप्रीम कोर्ट ने इस राहत पर अंतरिम रोक लगा दी और खेड़ा को गुवाहाटी हाईकोर्ट का रुख करने को कहा था। अब सुप्रीम कोर्ट के अंतिम फैसले पर सबकी नजरें टिकी हैं

पाकिस्तान का अमेरिका के साथ 'डबल गेम', ईरान के लिए खोले 6 रास्ते; ऑन होगा ट्रंप का एक्शन मोड?

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

पाकिस्तान ने ईरान के लिए छह नए जमीनी व्यापार मार्ग खोल दिए हैं, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विवाद खड़ा हो गया है। इन रास्तों के जरिए ईरान अब रूस, चीन और अन्य देशों के साथ व्यापार कर सकेगा। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब अमेरिका ईरान के खिलाफ समुद्री रास्तों पर सख्त रोक लगाने की कोशिश कर रहा है। पाकिस्तान ने इन मार्गों की आधिकारिक जानकारी इस हफ्ते दी है, ताकि ईरान स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के जरिए होने वाले व्यापार पर निर्भर न रहे। अमेरिकी विशेषज्ञों का कहना है कि इससे ईरान को अमेरिकी दबाव से बचने में मदद मिल सकती है। अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा विशेषज्ञ डेरेक जे ग्रॉसमैन ने पाकिस्तान के इस कदम की आलोचना की है। उनका कहना है कि इससे अमेरिका की रणनीति कमजोर हो सकती है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान का यह कदम ईरान को अमेरिकी नाकेबंदी से बचने में मदद देगा और वह अपना तेल व्यापार जारी रख सकेगा। उनके अनुसार, यह अमेरिका के साथ 'डबल गेम' जैसा है, जिससे दोनों देशों के रिश्तों पर असर पड़ सकता है। इस फैसले के बाद पाकिस्तान की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठने लगे हैं। इजराइल ने पहले ही पाकिस्तान को मध्यस्थ के रूप में भरोसेमंद नहीं माना था। ईरान की ओर से भी संकेत मिले हैं कि वह पाकिस्तान को पूरी तरह निष्पक्ष नहीं मानता। ईरान के नेता इब्राहिम रेजाई ने कहा कि पाकिस्तान दोस्त जरूर है, लेकिन मध्यस्थ के रूप में उपयुक्त नहीं है। अमेरिका डोनल्ड ट्रंप के नेतृत्व में ईरान पर आर्थिक दबाव बढ़ाने की रणनीति अपना रहा है। इसके तहत ईरानी बंदरगाहों पर नाकेबंदी की जा रही है। लेकिन पाकिस्तान द्वारा नए जमीनी रास्ते खोलने से इस रणनीति को झटका लग सकता है। रिपोर्ट्स के अनुसार, पाकिस्तान के बंदरगाहों पर ईरान जाने वाले हजारों कंटेनर पहले से रुके हुए हैं। अब इन कंटेनरों को जमीनी रास्तों से ईरान भेजा जा सकता है, जिससे अमेरिका की योजना पर असर पड़ने की आशंका है।

यूपी चुनाव से पहले बड़े आतंकी हमले की साजिश रच रहा पाकिस्तान, खुफिया एजेंसियों को उलझाने के लिए रचा 'खेल'

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

भारतीय खुफिया एजेंसियों के मुताबिक पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई उत्तर प्रदेश में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले बड़े हमले की साजिश रच रही है और इसके लिए खतरनाक खतरनाक चाल चल रही है। खुफिया अधिकारियों का कहना है कि इस हमले से पहले आईएसआई, हमारी जांच एजेंसियों का ध्यान भटकाना चाहती है और इसके लिए प्रोपेगेंडा अभियान चलाया जा रहा है। एक अधिकारी ने बताया कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव बड़ा आयोजन है और इसके मद्देनजर बड़े आतंकी हमलों की साजिश रची जा रही है। इसके तहत आईएसआई समर्थित लोग देश में जगह-जगह सीसीटीवी कैमरे लगाने और जासूसी जैसी गतिविधियों में शामिल हैं। इसका उद्देश्य संवेदनशील स्थानों की जानकारी जुटाना है। इंटेलिजेंस ब्यूरो के एक अधिकारी के अनुसार, गतिविधियों में अचानक आई तेजी का मकसद भारतीय एजेंसियों को उलझाए रखना है, ताकि बड़े हमले को अंजाम दिया जा सके। अधिकारियों ने यह भी आशंका जताई है कि आईएसआई देश का सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की भी साजिश रच रही है। कई इंटरसेप्ट्स से संकेत मिले हैं कि प्रोपेगेंडा चैनलों को सांप्रदायिक तनाव भड़काने के लिए सक्रिय किया गया है। एक अन्य अधिकारी ने कहा कि आईएसआई की नजर सिर्फ बड़े शहरों पर नहीं, बल्कि छोटे शहरों और गांवों पर भी है, ताकि एजेंसियों को भ्रमित कर अचानक हमला किया जा सके। हाल ही में गाजियाबाद पुलिस ने एक मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया था, जो रेलवे स्टेशनों और अन्य संवेदनशील स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगा रहा था। ये सोलर पावर्ड कैमरे पाकिस्तान स्थित हैंडलर्स को लाइव फीड देने के लिए लगाए जा रहे थे, जिसके बाद देशभर में सीसीटीवी कैमरों का ऑडिट शुरू किया गया। एजेंसियों को आशंका है कि ऐसे कैमरे बड़ी संख्या में पहले ही जुटा लिए गए हैं और चुनाव से पहले इन्हें सड़क किनारे ढाबों व दुकानों पर लगाया जा सकता है, ताकि चुनाव प्रचार के दौरान बड़े नेताओं की आवाजाही पर नजर रखी जा सके। अधिकारियों के मुताबिक पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई इस बार उत्तर प्रदेश के बजाय अन्य राज्यों के लोगों का इस्तेमाल हमलों में कर सकती है, ताकि स्थानीय पुलिस को हमलों की भनक तक न लगे। एजेंसियों का मानना है कि अलग-अलग राज्यों में जासूसी और आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ होने के बावजूद सतर्कता के साथ नजर बनाए रखना जरूरी है, क्योंकि ध्यान भटकाने की रणनीति के पीछे बड़ी साजिश छिपी हो सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि आईएसआई की कोशिश है कि भारत में होने वाले हमलों को घरेलू दिखाया जाए, ताकि पाकिस्तान पर सीधे आरोप न आएं। दरअसल आतंकी वित्तपोषण को लेकर पाकिस्तान एफएटीएफ (फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स) के निशाने पर है।

'बस बहुत हुआ', पाकिस्तान से बोले फारूक अब्दुल्ला- जम्मू-कश्मीर में हिंसा खत्म करे

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा श्रीनगर

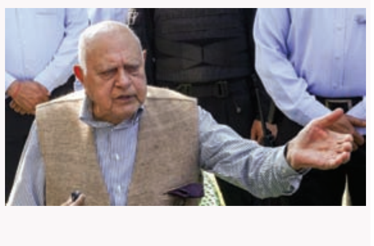

नेशनल कॉन्फ्रेंस अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने पाकिस्तान से जम्मू-कश्मीर में हिंसा का चक्र समाप्त करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि बहुत हो गया और अब पाकिस्तान को हिंसा का रास्ता छोड़ देना चाहिए। पाकिस्तान का जम्मू-कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग न मानना हिंसा को बढ़ावा देता है। फारूक अब्दुल्ला ने दिए एक साक्षात्कार में कहा कि दोनों देशों को शांति के तरीके खोजने चाहिए। उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र किया, जिसमें 26 लोग मारे गए थे। उन्होंने इसे भाईचारे को फिर से जगाने के प्रयासों के लिए एक बड़ा झटका बताया। हमले के बाद जम्मू-कश्मीर के लोगों ने सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया। यह पाकिस्तान के लिए एक स्पष्ट संकेत था कि आतंकवाद अस्वीकार्य है। अब्दुल्ला ने उम्मीद जताई कि पड़ोसी देश आतंकवाद का कभी समर्थन नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोग शांतिप्रिय हैं और शांति चाहते हैं। अब्दुल्ला के अनुसार, जम्मू-कश्मीर में युवाओं के लिए सबसे बड़ा खतरा अब उग्रवाद नहीं, बल्कि ड्रग्स का बढ़ता प्रकोप है। उन्होंने इस व्यापार में कुछ स्थानीय लोगों की संलिप्तता पर गहरा खेद व्यक्त किया। उन्होंने ड्रग्स के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का समर्थन किया ताकि कोई इसे जारी न रख सके।

दोनों देशों में टकराव हुआ तेज

ईरान ने यूएस को दी खतरनाक हथियार की धमकी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में हालात तेजी से बिगड़ते नजर आ रहे हैं। ईरान ने अमेरिका और इस्राइल के खिलाफ जारी संघर्ष के बीच एक नए और डर पैदा करने वाले हथियार के इस्तेमाल की खुली चेतावनी दी है। ईरानी नौसेना प्रमुख रियर एडमिरल शहराम ईरानी ने सरकारी मीडिया से बातचीत में कहा कि इस्लामिक गणराज्य बहुत जल्द ऐसा हथियार इस्तेमाल करेगा जिससे दुश्मन बुरी तरह घबरा जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह हथियार दुश्मन के बेहद करीब मौजूद है और तंज कसते हुए बोले, उम्मीद है कि उन्हें दिल का दौरा न पड़ जाए। ईरानी कमांडर ने अमेरिकी रणनीति पर भी तीखा हमला बोला और कहा कि आर्थिक दबाव और तेल व्यापार को रोककर तेहरान को बातचीत की मेज पर लाने की कोशिश पूरी तरह नाकाम रही है। उन्होंने कहा कि दुश्मन यह मान बैठे थे कि वे कम समय में अपने लक्ष्य हासिल कर लेंगे, लेकिन अब यही सोच सैन्य अकादमियों में मजाक बन चुकी है। यह चेतावनी ऐसे समय में आई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के उस प्रस्ताव को ठुकरा दिया, जिसमें होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के बदले अमेरिकी नाकेबंदी हटाने की बात कही गई थी। इस प्रस्ताव में ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत को भी टालने का सुझाव शामिल था, जिसे अमेरिका ने सिरे से खारिज कर दिया। ईरानी कमांडर ने दावा किया कि ईरानी बलों ने अमेरिकी विमानवाहक पोत यूएसएस अब्राहम लिंकन (सीवीएन-72) के खिलाफ कम से कम सात मिसाइल ऑपरेशन अंजाम दिए, जिसके कारण कुछ समय के लिए अमेरिका उस पोत से विमान उड़ाने या हवाई अभियान चलाने में असमर्थ रहा। हालांकि, इस दावे की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। ईरान ने यह भी कहा कि अमेरिका और इस्राइल द्वारा युद्ध शुरू किए जाने के बाद उसने अब तक 100 से अधिक जवाबी हमले किए हैं, जो पश्चिम एशिया में अमेरिकी और इजरायली ठिकानों पर केंद्रित थे। जवाबी कार्रवाई के तहत ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने का कदम उठाया, जो वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिहाज से बेहद अहम समुद्री मार्ग है और सामान्य समय में दुनिया के करीब 20 प्रतिशत कच्चे तेल का परिवहन इसी रास्ते से होता है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, संदीप कुमार के लिए कसाणा प्रिंटिंग प्रेस, नियर बस स्टैंड भिण्डुसी, तहसील- तिजारा, जिला- अलवर (राजस्थान) पिन कोड- 301405, से मुद्रित तथा 109, धर्मशाला के पास, वीपीओ- हींगवाहेड़ा, तहसील- तिजारा, जिला- अलवर (राजस्थान) पिन कोड- 301411 से प्रकाशित। संपादक, संदीप कुमार Mob- 9414508610 E-mail:- pratigya.alwar@gmail.com पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र अलवर होगा